वैशाख शुक्ल पक्ष अष्टमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 307 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

05 मई 2025 सोमवार

आज का मौसम

34 अधिकतम

23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

उतरने लगा पाक का पानी, आज संसद सत्र में 'प्रतिक्रिया' पर भारत की नजरें

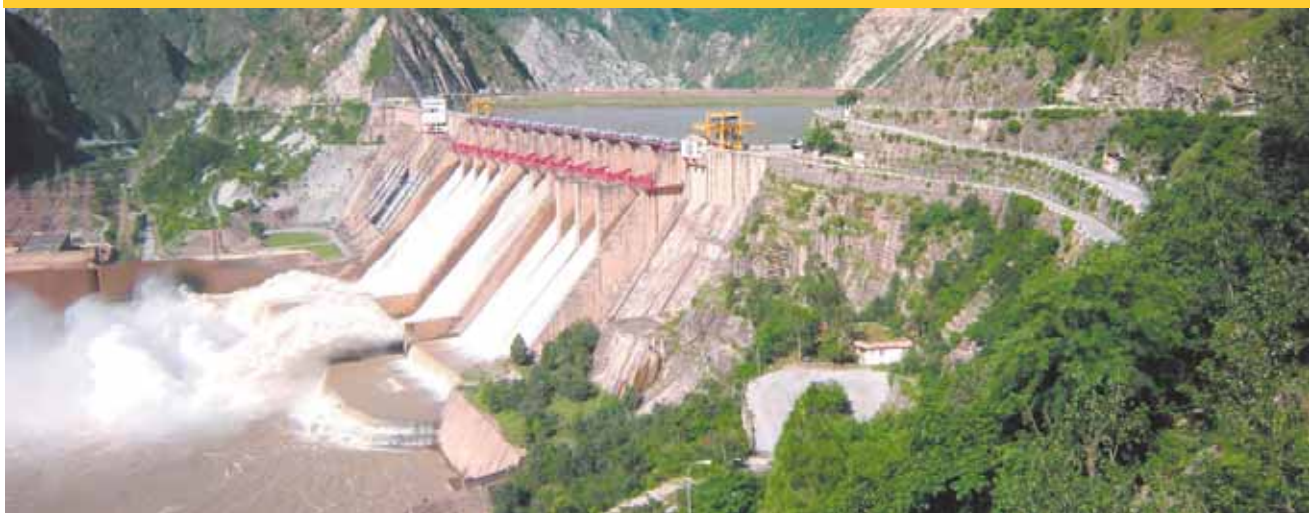

रूस ने भेजी पोर्टेबल मिसाइल की बड़ी खेप, कश्मीर में आतंकी ठिकाना मिला

नई दिल्ली, एजेंसी।

पहलगाम हमले के बाद बढ़ते तनाव के बीच रूस से इग्ला-एस पोर्टेबल मिसाइलों की नई खेप भारत पहुंची है। छोटी और कंधे पर ले जाने वाली ये पोर्टेबल मिसाइलें ड्रोन और चॉपर को मार गिरा सकती हैं। इस 260 करोड़ की डील से हवाई सुरक्षा मजबूत होगी।

फास्ट ट्रैक खरीद में सेना ने 48 दूसरे रॉकेट लॉन्चर, 90 बहुत कम दूरी के एयर डिफेंस सिस्टम का टेंडर भी जारी किया है। उधर चिनाब नदी का पानी रोकने के बाद पाकिस्तान बौखलाया हुआ है, आज शाम संसद के विशेष सत्र में पाकिस्तान की 'प्रतिक्रिया' पर भारत की नजरें हैं और माना जा रहा है कि इसके बाद कुछ और सख्त फैसले लिये जा सकते हैं। चिनाब नदी पर बागलिहार और सलाल डैम के गेट बंद करने के बाद पाकिस्तान जा रहा पानी बंद हो गया है। नहरें सूखीं नजर आ रही हैं। भारत पहलगाम हमले के बाद सिंधु जल संधि को रद्द कर चुका है। इस बीच सुरक्षा बलों ने आज जम्मू-कश्मीर के पुंछ में आतंकी ठिकाना खोजा है। यहां पांच आईईडी, वायरलेस सेट और कुछ कपड़े भी बरामद हुए हैं। सुरक्षा बलों का कहना है कि यह आतंकियों के छिपने की जगह है। इस बरामदगी के बाद श्रीनगर सेंट्रल जेल और जम्मू की कोट बलवाल जेल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इनमें कई आतंकी बंद हैं। इंटेलिजेंस अलर्ट के बाद यह कदम उठाया गया है। पहलगाम मामले की जांच कर रही एनआईए ने जम्मू की कोट बिलावल जेल में लश्कर के ओवर ग्राउंड वर्कर्स निसार अहमद और मुश्ताक हुसैन से पूछताछ की है। इन दोनों ने 2023 में डांगरी में हुए आतंकी हमले में आतंकियों की मदद की थी। शक है कि पहलगाम अटैक में भी इन्होंने आतंकवादियों की मदद की थी।

यूएनएससी में आज बढ़ते तनाव पर बैठक

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में आज भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर अहम बैठक हो रही है। इसमें दोनों देश अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपना-अपना रुख रखेंगे। पाक विदेश मंत्रालय ने कहा- पाकिस्तान ह्स्ष्ट को भारत की आक्रामक कार्रवाइयों, उकसावे और भड़काऊ बयानों के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करने की जानकारी देगा।

पीएम मोदी ने रक्षा सचिव से बैठक की

इस बीच, भारत की तरफ से पाकिस्तान पर एक्शन की बड़ी तैयारी चल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सुबह रक्षा सचिव राजेश कुमार के साथ अहम मीटिंग की है। माना जा रहा है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत जवाबी एक्शन की तैयारी में है. भारत के मिसाइल परीक्षण, अरब सागर में युद्धाभ्यास और जंगी जहाजों की तैनाती से पाकिस्तान की नींद उड़ चुकी है। उधर पाकिस्तानी फौज पर नेताओं की पकड नहीं है. लेकिन पाकिस्तानी नेता और राजनयिक एक से बढ़कर एक बेतुके बयान दे रहे हैं। वहीं यह भी सामने आया है कि पाकिस्तान में जब भुखमरी फैल गई थी, आटे की लूट मच रही थी तब पाकिस्तान ने चोरी छुपे हथियार बेचे। हालांकि इस पैसे का 80 फीसदी हिस्सा सेना ने रख लिया. पाकिस्तान ने 2023 में 42 हजार रॉकेट, 60 हजार हॉवित्जर तोप के गोले और एक लाख 30 हजार 122 एमएम रॉकेट यूक्रेन को चोरी छुपे बेचे थे।

ग्वालियर का मामला, वीडियो भी वायरल

रेस्तरां में टेबल नहीं मिलने पर मंत्री ने आपा खोया, सैंपलिंग कराई

दोपहर मेट्रो, ग्वालियर/भोपाल।

मप्र के स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल का ग्वालियर के क्वालिटी रेस्टोरेंट में टेबल न मिलने पर हंगामे का मामला सामने आया है। घटना बीती देर रात की है। सिटी सेंटर इलाके के इस रेस्टोरेंट में हुए घटनाक्रम का सीसीटीवी फुटेज भी वायरल है। जिसमें मंत्री के पीएसओ को स्टाफ के साथ धक्का-मुक्की करते देखा गया है। मंत्री ने भी फूड सेफ्टी टीम बुलाकर रात में ही सैंपलिंग करवाई व रेस्टोरेंट मालिक को हिरासत में लिया। हालांकि, व्यापारियों के विरोध के बाद उन्हें छोड़ दिया गया।

बताया जाता है कि मंत्री पटेल विस अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के छोटे पुत्र के रिशेप्शन में शामिल होने ग्वालियर आए थे। वे परिवार सहित क्वालिटी रेस्टोरेंट में खाना खाने पहुंचे थे। भीड़ के कारण सभी टेबल बुक थीं। मंत्री को इंतजार करना पड़ा। रेस्टोरेंट स्टाफ ने बताया कि दो फूड सेफ्टी अधिकारियों ने अलग-अलग लोगों के लिए टेबल बुक की थी। स्टाफ ने जब पूछा कि बुकिंग किसके नाम से है, तो मंत्री भड़क गए। फिर मंत्री

और पीएसओ ने रेस्टोरेंट के किचन में प्रवेश कर स्टाफ के साथ तीखी बहस की। फूड सेफ्टी टीम को बुलाकर सैंपलिंग शुरू करवा दी। पटेल का बयान भी सामने आया है कि 'यह रूटीन चेकिंग थी. मैं जहां जाता हूं, अपने विभाग से जुड़े कार्यालयों और प्रतिष्ठानों की जांच करता हूं। सैंपल फेल हो गये थे जिसके चलते स्टाफ ने बदतमीजी शुरू कर दी। इधर मप्र चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने घटना की निंदा की और कहा,' यह गलत है, हम शिकायत करेंगे और मंत्री को बर्खास्त करने की मांग करेंगे। गौरतलब है कि गत वर्ष भोपाल में मंत्री के बेटे का भी एक होटल संचालक से विवाद सुर्ख हुआ था।

घुसपैठियों के सरपरस्त के इलाके में चला बुलडोजर

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी के तैमूर नगर इलाके में नाले के किनारे अवैध अतिक्रमण पर कार्रवाई करते हुए आज बुलडोजर एक्शन शुरू कर दिया है। इलाके में भारी पुलिस बल तैनात है। यहां नाले के जीणोद्धार में ये अतिक्रमण बाधा थे, डीडीए की टीम ने कड़ी सुरक्षा के बीच अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। इससे पहले साउथ ईस्ट जिला पुलिस ने अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ तीन बार ड्राइव चलाई थी। यहां अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को दिल्ली में बसाने वाला मास्टरमांइड चांद मियां ने अपना ठिकाना बना रखा था।

महाकाल : कंट्रोल रूम की छत पर आग से हड़कंप

उज्जैन। आज महाकाल मंदिर में कंट्रोल रूम की छत पर आग लग गई। इससे पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के एयर क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम की बैटरियां जल गईं। दूर से ही धुआं और आग की लपटें दिखाई दे रही थी। आग लगने के बाद मंदिर में भक्तों का प्रवेश रोकना पड़ा। बताया जाता है कि यह घटना मंदिर के गेट नंबर 1 पर स्थित अवंतिका गेट के कंट्रोल रूम की छत पर हुई। सूचना मिलते ही दमकलें मौके पर पहुंची और आग पर कुछ ही देर बाद काबू पा लिया। फिलहाल बैटरी में आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। जांच के बाद ही पता चल सकेगा। आग पर काबू पाने के बाद मंदिर के गेट को दोबारा खोला गया।

22 जिलों में आज फिर आंधी-ओले, देहरादून में बादल फटे, बाढ़ आई

नई दिल्ली/भोपाल।

मौसम विभाग ने आज मध्य प्रदेश-उत्तर प्रदेश सहित देश के 26 राज्यों में आंधी-तूफान के साथ बारिश होने की चेतावनी जारी की है। देर रात भोपाल, इंदौर, उज्जैन, देवास और खंडवा में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। उधर उत्तराखंड के देहरादून में बादल फटने से सांग नदी में बाढ़ आ गई। इस दौरान कई टूरिस्ट फंस गए। हालांकि, सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया। वहीं, चारधाम यात्रा मार्ग पर ऋषिकेश के पास सड़क पर मलवा आने से कुछ देर रास्ता बंद रहा। राजस्थान के पश्चिमी हिस्से में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट और पूर्वी में यलो अलर्ट जारी किया गया है। विभाग ने यूपी-बिहार में ओले गिरने की भी चेतावनी दी है। वहीं, दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर के राज्यों के कुछ हिस्सों में तेज बारिश होगी, लेकिन अधिकतम तापमान में और ज्यादा गिरावट होने की संभावना नहीं है। मौसम विभाग के मुताबिक, सेंट्रल और नॉर्थ इंडिया में 7-8 मई तक मौसम ऐसा ही बना रहने का अनुमान है। उधर, जयपुर में बिजली गिरने से 5 साल की बच्ची की मौत हो गई। सीकर में तेज बारिश के चलते जलभराव हुआ।

आग से जिंदा जला परिवार, मंजर देख दमकलकर्मी भी रोए

कानपुर, दोपहर मेट्रो। देर रात एक 4 मंजिला बिल्डिंग में आग लगने से एक परिवार के 5 लोग जिंदा जल गए। मरने वालों में पति-पत्नी और उनकी तीन बेटियां हैं। बिल्डिंग के बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर पर जूता-चप्पल बनाने का कारखाना था। ऊपर के 4 फ्लोर में दो भाइयों का परिवार रहता था। आग की शुरुआत ग्राउंड फ्लोर पर कारखाने से हुई। देखते ही देखते आग पूरी बिल्डिंग में फैल गई। घर में रखे सिलेंडर, केमिकल और एसी फटने लगे। मामला चमनगंज थाना क्षेत्र के प्रेम नगर का है। हादसे में कारोबारी मो. दानिश (45), उनकी पत्नी नाजमी सबा (42), बेटी सारा (15), सिमरा (12), इनाया (7) की जलकर मौत हो गई। दानिश और उनके परिवार का शव जिस हालत में अंदर मिला है, उसे देखकर फायर कर्मी तक रोने लगे। अफसर ने बताया कि एक बेटी का शव मां से लिपटा हुआ मिला। ऐसा लगता है कि मां ने बेटियों को बचाने के लिए खूब कोशिश की।

अमेरिका में रिलीज होने वाली विदेशी फिल्म का मामला

अब फिल्में ट्रंप के निशाने पर, 100 फीसद टैरिफ लगाने का ऐलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अब विदेशी फिल्मों को अपने निशाने पर ले लिया है। उन्होंने ऐलान किया है कि विदेशों में बनने वाली फिल्मों के अमेरिका में रिलीज होने पर 100फीसदी टैरिफ लगेगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर बताया कि उन्होंने अमेरिकी वाणिज्य विभाग को इसके लिए आदेश भी दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि विदेशों में बनी फिल्में अमेरिका में प्रोपगेंडा फैला सकती हैं। उन्होंने इसे अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है। ट्रम्प ने भले ही विदेशों में बनने वाली फिल्मों पर 100 फीसद टैरिफ कर दिया है, लेकिन फिलहाल यह साफ नहीं है कि यह कैसे लागू होगा। ज्यादातर फिल्मों की शूटिंग दुनिया के कई देशों में होती हैं। ब्रिटेन, कनाडा जैसे देशों में फिल्मों के प्रोडक्शन में टैक्स पर छूट भी देते हैं। इसकी वजह से फिल्में अमेरिका की बजाय इन देशों में शूट हो रही हैं। ट्रम्प पहले भी यह चिंता जता चुके हैं कि फिल्में अमेरिका के बाहर बनने लगी हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई अमेरिका में फिल्म नहीं बनाना चाहता, तो उस पर टैक्स लगना चाहिए। ज्ञात हो कि अमेरिका में फिल्मों के प्रोडक्शन में लगातार गिरावट आ रही है। इसकी वजह से हॉलीवुड के लिए मशहूर लॉस एंजिलिस शहर के हालात और भी खराब हैं।

गाजा पर आक्रमण तेज करने इज़रायली सेना ने रिजर्व सैनिक बुलाए

यरूशलम, एजेंसी। इजरायली सेना ने गाजा पट्टी में अपने हमले को तेज करने के लिए रिजर्व बलों के हजारों सैनिकों को आने का आदेश जारी करना शुरू कर दिया है। एक वरिष्ठ रक्षा अधिकारी ने रविवार को कहा कि उन्होंने बंधकों को रिहा करने के लिए हमास पर दबाव बढ़ाने की कसम खाई है। इज़रायल रक्षा बल मु यालय के प्रमुख आयाल जामिर ने एक समुद्री कमांडो अड्डा के दौरे के दौरान इसकी घोषणा की। ज़मीर ने कहा कि ''इस सप्ताह हम अपने रिजर्व सैनिकों को गाजा में अपने अभियान को तेज़ करने और उसका विस्तार करने के लिए हज़ारों की सं या में वापसी का आदेश जारी कर रहे हैं। हम अपने बंधकों को वापस लाने और हमास को हराने के लिए दबाव बढ़ा रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि विस्तारित आक्रमण के हिस्से के रूप में, सेना एन्क्लेव में अतिरिक्त क्षेत्रों में कार्रवाई करेगी और सभी आतंकवादी अवसंरचना को नष्ट कर देगी। ज़मीर ने कहा कि रिजर्व बलों को अन्य क्षेत्रों में भी तैनात किया जाएगा, जिनमें लेबनान और सीरिया के निकट उत्तरी सीमा और कब्जे वाले पश्चिमी तट शामिल हैं।

मेट्रो एंकर

मैदान में भी अंपायर ने जताई शंका तो खुद उपकरण लेकर जांचने लगे

बल्ले से छेड़छाड़ करते धोनी को कैमरे ने पकड़ा!

बेंगलुरु, एजेंसी।

इस बार आईपीएल में सबसे ज्यादा निराश करने वाले खिलाडियों में ऐसा लगता है कि महेंद्र सिंह धोनी नंबर एक पर हैं। कभी वे अपने खेल और रणनीतियों के चलते नंबर वन हुआ करते थे। इस बार तो लोग उन्हें मैच हराने वाली मशीन कहने से भी नहीं हिचक रहे हैं। धोनी और उनकी टीम चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल भयानक सपने की तरह है। संभव है कि धोनी को खास मलाल न हो, क्योकि मैच के दौरान वे ड्रेसिंग रूम में पूरे समय बात करते, मुस्कुराते नजर आते हैं उन पर ज्यादा फिक्र हावी नहीं दिखती, लेकिन उनके प्रशंसक बहुत निराश हैं। खुद के खराब प्रदर्शन पर धोनी कुछ बोलने के मूड में भी नहीं दिखते। अब डगआउट से एमएस धोनी का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो अपने बल्ले के साथ कुछ छेड़छाड़ करते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को देख लोग सवाल उठा रहे हैं। दरअसल वीडियो में धोनी अपने बल्ले को नॉकिंग हैमर से ठोकते हुए नजर आ रहे हैं। धोनी अपने बल्ले को पीछे की साइड से ठोक रहे थे। धोनी इसके बाद बैट का नाप लेने वाले उपकरण से अपने बल्ले को डगआउट में चेक भी कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐसा धोनी इसलिए कर रहे थे क्योंकि जब वो मैदान पर बल्लेबाजी के लिए उतरें तो अंपायर्स से बच सकें। धोनी को बाद में अंपायर के हाथ से बैट का नाप लेने वाला उपकरण लेते हुए और खुद ही अपने बल्ले को उससे गुजारते हुए देखा गया। धोनी ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उन्हें लगा कि उनके बल्ले की मोटाई को लेकर कुछ संदेह है। यह घटना परसों रात के मैच में सीएसके की पारी के 17 वें ओवर में हुई। तब सीएसके 214 रनों का पीछा कर रही थी। अंपायरों ने बैट का नाप लेने वाला उपकरण निकाला। पहली बार में धोनी का बल्ला उससे ठीक से नहीं गुजरा। फिर धोनी ने खुद ही अपने हाथ से बल्ले को दो बार रगड़कर नापने की कोशिश की। हालांकि, यह ठीक से नहीं हुआ, लेकिन अंपायर ने उन्हें हरी झंडी दे दी और उन्हें उसी बल्ले से खेलने दिया। धोनी ने एक अच्छा छक्का भी मारा, लेकिन आखिरी ओवर में 12 रन बनाकर आउट हो गए। बाद में धोनी ने हार की जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा कि उन्हें और बेहतर करना चाहिए था। धोनी ने मैच के बाद कहा, 'जब मैं बल्लेबाजी करने गया, तो जिस तरह की गेंदें थीं और जितने रनों की जरूरत थी, मुझे लगा कि मुझे कुछ और शॉट लगाने चाहिए थे ताकि दबाव कम हो सके।'

गर्मी में बरसात.....

भोपाल। राजधानी में कल शाम से आंधी और बारिश का सिलसिला शुरू हुआ इससे शहर की सड़कें तरबतर हो गई तथा गर्मी के मौसम में लोग बरसात से बचने के लिए छाते लेकर निकले।

घंटों नहीं सुधरे फॉल्ट, परेशान होते रहे लोग

आंधी ने उड़ाई बिजली, खुलने लगी साल भर होने वाले मेंटेनेंस की पोल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में बीती शाम से तडके तक कई इलाकों में आंधी और बारिश का ऐसा असर रहा कि बिजली महकमे की मेंटेनेंस के दावों को उडा ले गया।

अक्सर बिजली महकमा बारह महीने मेंटनेंस के नाम पर घंटों बिजली कटौती करता है फिर भी जरा से हवा पानी बरसात से खामियां उभर आती हैं, हालांकि बीती रात का अंधड कुछ तेज ही था और इसका असर बिजली सप्लाई पर पड़ा। शिवाजी नगर में लिंक रोड नंबर 1 पर सामने और इंडस्ट्रियल एरिया आई सेक्टर में बिजली लाइन पर ही पेड़ गिर गया। कई इलाकों में बिजली लाइनों पर पेड़ों की डालें गिरीं। चंबल (गोविंदपुरा) सब स्टेशन से नए शहर के लिए निकले 33 केवी फीडर से बिजली सप्लाई बाधित हो गई। इससे 125 से ज्यादा कॉलोनियों और मोहल्लों में 2 से 3 घंटे बिजली ठप रही। बिजली कंपनी के कॉल सेंटर में 431 शिकायतें दर्ज हुई। रंगमहल, डिपो चौराहा और शास्त्री नगर फीडर से जुड़े इलाकों में भी 3 घंटे बिजली गुल रही। दूसरी तरफ सौभाग्य नगर, इंद्रपुरी, पटेल नगर, सोनागिरी, करोंद मंडी फीडर से जुड़े इलाकों में भी बिजली सप्लाई बाधित रही। पुराने शहर की 24 शेड एरिया, ईदगाह हिल्स की आफरीन कॉलोनी समेत ओल्ड व न्यू सुभाष नगर, गोविंद गार्डन, पंजाबी बाग, सेमरा समेत कई इलाकों में भी बिजली गुल रही।बताया जाता है कि आंधी-बारिश के मौसम में शहर में रोजाना औसतन करीब छह हौ शिकायतें आती हैं। इन्हें अधिकतम 45 मिनट में अटेंड किया जाना चाहिए, लेकिन औसतन 2 घंटे लग जाते हैं।

बिजली कंपनी के दावों की हकीकत

कंपनी दावा करती है कि 45 मिनट में बिजली अमला मौके पर पहुंचता है जबकि हकीकत यह है कि लोग घंटो इंतजार करते हैं। मसलन चांदबड़ जोन खेजड़ा तक करीब 15 किमी के दायरे में फैला है। यहां करीब 34 हजार उपभोक्ता हैं। शिकायतों के निपटारे के लिए सिर्फ एक वाहन और एक शिफ्ट में तीन कर्मचारी रहते हैं। इसी तरह दावा किया जाता है कि चैटबॉट शिकायत के लिए सबसे बेहतर सेवा है लेकिन चैटबॉट पर 15 विकल्प आते हैं। उपभोक्ता तुरंत शिकायत के लिए विकल्प नंबर 1 चुनते हैं, लेकिन शिकायत दर्ज ही नहीं हो पाती है। दूसरी तरफ सिटी सर्कल में पिछले 4 साल में सिर्फ दो नए जोन बन सके हैं। पहले सबसे बड़ा जोन विद्यानगर था। इसे विभाजित कर कटारा हिल्स नया जोन बनाया गया था। दो साल पहले दानिशकुंज जोन को विभाजित कर बैरागढ़ चीचली नया जोन बनाया गया।

एग्जीक्यूटिव लाउंज में भी खास इंतजाम

मुसाफिरों की जरूरत भांपी रेल्वे ने, अब स्टेशन पर मिलेंगे ताजा फल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रेल्वे ने अब अपने बुजुर्ग, उपवास वाले और बीमार यात्रियों का विशेष ध्यान रखने के लिये नया प्रयास शुरू किया है। इसके तहत अब स्टेशनों पर भी यात्रियों को गुणवत्ता वाले फल मिलने लगेंगे। रेल प्रशासन ने पहले चरण में पायलट प्रोजेक्ट के तहत कुछ रेलवे स्टेशनों पर फ्रूट स्टॉल शुरू करने का निर्णय लिया है।

फिलहाल भोपाल और बीना रेलवे स्टेशन के दो-दो प्लेटफार्म का चयन यह स्टॉल शुरू करने के लिए किया जा चुका है। दरअसल, आमतौर पर रेलवे स्टेशनों पर मौजूद फूड और कैटरिंग स्टॉल्स पर फलों की उपलब्धता कम होती है। इससे बीमार, उपवास वाले लोग और बुजुर्गों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिन स्टॉल्स पर फल मिल जाते हैं, वे पूरी गुणवत्ता वाले नहीं होते। रेल मंडल के सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया का मानना है कि यात्रियों की डिमांड रही है कि स्टेशन पर भी फलों की उपलब्धता हो। फिलहाल भोपाल और बीना स्टेशन पर स्टॉल शुरू करने का निर्णय लिया गया है। भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 4 और 5 पर शुरुआत में एक-एक फल स्टॉल शुरू किया जाएगा। डिमांड बढ़ने पर प्लेटफार्म नंबर 1 और 2 पर भी एक-एक स्टॉल शुरू किया जा सकता है।

नई बिल्डिंग में बन रहा लाउंज

भोपाल रेलवे स्टेशन के ही प्लेटफार्म नंबर-1 की ओर नई बिल्डिंग में इन दिनों एग्जीक्यूटिव लाउंज का काम तेजी से चल रहा है। आईआरसीटीसी के अधिकारियों के अनुसार, संभवतः जून के महीने में यात्रियों को इस एग्जीक्यूटिव लाउंज से खाने-पीने के स्नैक्स सहित अन्य आइटम मिलने लगेंगे। यहां 50 से ?100 रुपए देकर चार-पांच लोग एक साथ बैठकर छोटी-मोटी मीटिंग भी 1 से 2 घंटे तक कर सकेंगे। आईआरसीटीसी ने इसके लिए रेट तय कर दिए हैं। जल्द ही इनकी औपचारिक घोषणा कर दी जाएगी।

राज्य शिक्षा केंद्र ने जारी किए दिशा-निर्देश, 29 मई तक निकलेगी लॉटरी

आरटीई के तहत निजी स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया की आज से हुई शुरुआत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में प्रवेश की प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई है। आवेदक अपने ग्राम, वार्ड तथा विस्तारित पड़ोस के गैर-अनुदान मान्यता प्राप्त प्रायवेट स्कूलों में पोर्टल पर कक्षावार प्रदर्शित स्कूलों में नि:शुल्क प्रवेश के लिए आवेदन दर्ज करा सकेंगे। निर्धारित सत्यापन केन्द्र (शासकीय जन-शिक्षा केन्द्र) में मूल दस्तावेजों का सत्यापन कराया जाना अनिवार्य है। प्रवेश प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी एजुकेशन पोर्टल पर भी प्रदर्शित की गयी है। इससे जुड़ी जानकारी संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से भी प्राप्त की जा सकती है।

यह है पूरी प्रक्रिया

शिक्षण सत्र 2025-26 की प्रवेश की प्रक्रिया का कार्यक्रम जारी करने के साथ ही राज्य शिक्षा केंद्र ने इस संबंध में सभी जिलों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।?जारी कार्यक्रम के अनुसार नि:शुल्क प्रवेश के लिये मान्यता प्राप्त निजी स्कूल एवं उनमें उपलब्ध कक्षा की सीट का पोर्टल पर प्रदर्शन होगा। पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन एवं त्रुटि-सुधार का कार्य 7 मई से 21 मई तक किया जायेगा। आवेदन के बाद सत्यापन का कार्य शासकीय जन-शिक्षा केन्द्र में 7 मई से 23 मई तक होगा। रेण्डम पद्धति से ऑनलाइन लॉटरी द्वारा स्कूल का आवंटन एवं चयनित आवेदकों को एसएमएस द्वारा सूचना 29 मई तक की जायेगी। आवंटन के बाद अशासकीय स्कूल में प्रवेश के लिए उपस्थिति और स्कूल द्वारा मोबाइल ऐप के माध्यम से एडमिशन रिपोर्टिंग का कार्य 2 से 10 जून तक किया जायेगा।

फार्मेसी काउंसिल के खिलाफ एबीवीपी का धरना प्रदर्शन

भोपाल। मध्यप्रदेश फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया की कार्यप्रणाली के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी)आज सोमवार को छात्र आक्रोश धरना कर रहा है। यह प्रदर्शन फार्मेसी छात्रों की समस्याओं और काउंसिल की लापरवाह व्यवस्था के खिलाफ किया जा रहा है। धरना भोपाल स्थित मध्यप्रदेश फार्मेसी काउंसिल कार्यालय के बाहर आयोजित हो रहा है। जिसमें बड़ी संख्या में फार्मेसी छात्र और एबीवीपी कार्यकर्ता शामिल हैं। परिषद ने काउंसिल पर आरोप लगाया है कि वह छात्रों की समस्याओं को लेकर उदासीन है और प्रमाणपत्र जारी करने, रजिस्ट्रेशन, वेरिफिकेशन जैसे मामलों में भारी देरी की जा रही है। एबीवीपी का कहना है कि यदि समय रहते सुधार नहीं हुआ, तो आंदोलन को प्रदेशभर में व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा। परिषद ने काउंसिल से तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की है। धरने में छात्र अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी और ज्ञापन सौंपने की तैयारी में हैं।

यौन उत्पीड़न मामला

महिला आयोग ने पीडितों के लिए बयान, पुलिस अफसरों से पूछे सवाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो। हिंदू लड़कियों से दुष्कर्म और वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग करने के प्रकरण की जांच के लिए भोपाल पहुंची राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम ने पुलिस की अब तक की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। गत दिवस टीम ने विशेष जांच दल (एसआइटी) के अधिकारियों को तलब करके अब तक हुई एफआइआर, उनकी जांच व कार्रवाई की स्थिति जानी। एक पीड़ित छात्रा से मुलाकात करके उसके बयान दर्ज किए। झारखंड की पूर्व डीजीपी निर्मल कौर के नेतृत्व वाली इस तीन सदस्यीय आयोग की जांच टीम ने अधिकारियों से पूछा कि इस प्रकरण में गिरोह सामने आने के बाद भी संगठित अपराध की धारा क्यों नहीं लगाई गई। टीम ने इस गिरोह को फंडिंग (वित्तीय मदद) मुहैया कराने वालों की भी जांच करने के लिए कहा है। टीम के सदस्यों ने अधिकारियों और पीड़िता से बातचीत के बाद पाया कि हिंदू युवतियों को निशाना बनाकर उन्हें सुनियोजित ढंग से फंसाया गया। उनसे दुष्कर्म कर उसका वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया गया। जांच के बाद टीम के सदस्यों ने मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारियों की बैठक ली। इसमें टीम के सदस्यों ने निर्देश दिए कि पूरा गिरोह संगठित रूप से काम कर रहा था। ऐसे में उन पर संगठित अपराध की धाराएं बढ़ाई जानी चाहिए।

श्री अमर कथा की भक्ति में झूम उठा संत नगर

हिरदाराम नगर। संत नगर में चल रहे भगवान वरुण अवतार भगवान झूलेलाल जी की अमर कथा पाठ बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और भक्ति रस का आनंद लिया कार्यक्रम संयोजक एडवोकेट घनश्याम पंजवानी जी एवं संत नगर पूज्य सिंधी पंचायत के उपाध्यक्ष भरत असवानी जी ने जानकारी देते हुए बताया की संत नगर में भरूच धाम के वर्तमान गादेशवर परम पूज्य ठाकुर साइन मनीष लाल साहब जी के सानिध्य में 3 मई से 6 मई तक श्री अमर कथा पाठ का आयोजन किया जा रहा है जिसमें प्रथम दिन कथा वाचक श्री रविंद्र जोशी शास्त्री जी ने कथा में बताया जो भगवान की भक्ति में लीन है उनके जीवन में हर क्षण में प्रभु का वास होता है और कोई भी कष्ट उनको छू भी नहीं सकता कथा में भगवान झूलेलाल जी के जन्म प्रसंग में श्रद्धालु भक्ति वश खुशी में झूम उठे कथा का समापन मंगलवार 6 मई को पूज्य बहिराणां साहिब एंव भंडारा कर बड़े धूमधाम से किया जाएगा।

मेट्रो एंकर | संत हिरदाराम कॉलेज में छात्राओं की पूरी जानकारी ली

लव जिहाद : छात्रावास की जांच करने पहुंचा दल

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में लव जिहाद के मामले के बाद, जिला और पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया है। प्रशासन की टीमें शहर के विभिन्न गर्ल्स कॉलेजों कॉलेज में जागरूकता और छात्रावासों में दस्तावेज, मिलने आने वालों का ब्योरा इकट्ठा कर रही हैं। एक विशेष जाँच दल ने संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं को लेकर जानकारी इकट्?ठी की। दल ने हॉस्टलों में लड़कियों से मिलने आने वालों का रिकॉर्ड देखा। छात्रावास में निगरानी तंत्र की जानकारी ली। एसडीएम रविशंकर राय और एसीपी आदित्य राज सिंह छात्राओं और हॉस्टल प्रशासन से बात की। यह कार्रवाई राजधानी के एक कॉलेज छात्रा द्वारा ÷लव जिहाद÷ की शिकायत दर्ज कराने के बाद की गई है। प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि कॉलेजों और आसपास के क्षेत्रों में लड़कियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और ऐसी किसी भी गतिविधि को रोकना के जांच दल पहुंचा है।

होटलों की जांच हो- संतनगर में होटलों की भी जाँच कर संचालकों का युगल को कमरा देने से पहले पूरे दस्तावेज देखने की मांग की जा रही है। लोगों का कहना है कि कई होटलों ने अवैध रूप से कमरे बना लिए हैं, जहाँ देर रात तक पार्टियाँ चलती हैं। अवैध शराब परोसी जाती है। संतनगर, लालघाटी और भोपाल इंदौर राजमार्ग पर स्थित होटलों और रेस्तरांओं की भी जाँच होनी चाहिए। वहीं, पुलिस का कहना है समय-समय पर होटलों में कमरे देते समय तय नियमावली का पालन करने की शर्तों की जांच की जाती है।

पर्यटन निगम का किडजानिया प्रयोग

पर्यटन स्थलों की वर्चुअल लेकिन एक्चुअल जैसी रोमांचक यात्रा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश में इतिहास, संस्कृति, अध्यात्म और वन्यजीव का अद्भुत मिश्रण है अब यह और आकर्षक रूप में किडजानिया के माध्यम से भावी पीढ़ी तक पहुंचाने का काम शुरू किया गया है। एमपी टूरिज्म ने एक्सपीरियंस सेंटर के रूप में किडजानिया दिल्ली में भी टूरिज्म एक्सपीरियंस सेंटर शुरू हो गया। प्रदेश की स्थानीय जनजातीय संस्कृति का अनुभव पर्यटकों के लिए अनोखा है। खास बात यह ह कि पर्यटन स्थलों को बच्चों के जरिए परिवारों तक पहुंचाने के पहली बार किसी राज्य ने नवीन पहल की है।

प्रमुख सचिव शिवशेखर शुक्ला ने कहा है कि प्राचीन समय से जनजातीय संस्कृति को संरक्षित रखते हुए मूल स्वरूप में सहेजा गया है। इतिहास प्रेमियों के लिए तो मध्यप्रदेश स्वर्ग की तरह है। यहां यूनेस्को के 18 विश्व विरासत स्थल है। किडजानिया में जंगल सफारी और रिवर राइड के माध्यम से बच्चे प्रदेश के वन्य जीव, नदियों, इतिहास और संस्कृति से परिचित होंगे। आने वाले समय में इसे और अधिक रोचक बनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश टूरिज्म एक्सपीरियंस सेंटर का उद्देश्य बच्चों को प्रदेश की प्राकृतिक धरोहर, जैव विविधता, नदियों और सांस्कृतिक विरासत से रोचक और रचनात्मक तरीके से जोड़ना है। यह पहल न केवल बच्चों को रोमांचक अनुभव प्रदान करती है, बल्कि उनके माध्यम से पूरे परिवार को भी मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों के प्रति आकर्षित करने का कार्य करती है।

वर्चुअल जंगल सफारी व रिवर राफ्टिंग

इस सेंटर में दो प्रमुख वर्चुअल अनुभव प्रस्तुत किए जा रहे हैं - जंगल सफारी और रिवर राफ्टिंग। जंगल सफारी के दौरान बच्चे वर्चुअल जीप सफारी में मध्यप्रदेश के घने जंगलों, राष्ट्रीय उद्यानों और जंगली जानवरों को नजदीक से देखने का अनुभव करते हैं। वहीं, रिवर राफ्टिंग में वे प्रदेश की नदियों की लहरों पर सवारी करते हुए प्राकृतिक सौंदर्य और जलजीवों को जानने का रोमांच महसूस करते हैं। इन अनुभवों को और अधिक वास्तविक बनाने के लिए वर्चुअल रियलिटी, मोशन सेंसिंग तकनीक, एनवायरनमेंटल सिमुलेशन और 3ष्ठ इफेक्ट्स का प्रयोग किया गया है।

पर्यटक की तरह ड्रेस भी

इस सेंटर में बच्चों को हरे रंग की सफारी जैकेट पहनाई जाती है जिससे वे खुद को एक असली पर्यटक की भूमिका में महसूस कर सकें। हर अनुभव लगभग 10 मिनट का होता है। अनुभव के बाद बच्चों से दस प्रश्न पूछे जाते हैं और सही जवाब देने पर उन्हें किडजानिया करेंसी इनाम स्वरूप दी जाती है। बच्चों को खुद का पर्सनलाइज्ड पोस्टकार्ड भी डिजाइन करने का अवसर मिलता है, जिसका प्रिंटआउट वे साथ ले जा सकते हैं। इस माध्यम से बच्चे कई महत्वपूर्ण कौशल भी विकसित कर रहे हैं - जैसे जानवरों की पहचान के माध्यम से मनोदैहिक कौशल, पर्यवेक्षण और विश्लेषण क्षमता बढ़ाने वाले संज्ञानात्मक कौशल, वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता को प्रोत्साहित करने वाले भावनात्मक कौशल और समूह में संवाद व साझा अनुभव के माध्यम से सामाजिक कौशल।

मंत्रालय से लेकर प्रदेश भर के कर्मचारी संगठनों में असंतोष

पदोन्नति से पहले सुलग रही विरोध की आग, बेफिक्र अफसर नहीं बता रहे फार्मूले

सीएम डॉ. यादव कर चुके हैं पदोन्नति दिए जाने की घोषणा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पदोन्नति मिलने से पहले कर्मचारी जगत में विरोध की आग सुलगने लगी है। कुछ संगठनों के प्रमुखों ने तो विवाद की स्थिति में कोर्ट तक जाने की चेतावनी दे दी है। उधर पदोन्नति नीति का ड्राफ्ट बनाने वाले कई अफसर बेफिक्र है, ये कर्मचारी जगत से मिलने वाले संकेतों को हल्के में ले रहे हैं। यदि सरकार के इस प्रयास को कर्मचारियों के विश्वास में नहीं बदला गया तो स्थिति उलट भी सकती है।

अधिकारियों के बीच बैठकों का दौर जारी, आज भी होगी बैठक

पदोन्नति नीति को लेकन बनाए ड्राफ्ट की तैयारियों को लेकर कई बातों का ध्यान रखा जा रहा है। एसीएस व पीएस स्तर के अधिकारी इसे तैयार कर रहे हैं। इनके बीच कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं। शुक्रवार को भी उच्च स्तरीय बैठक हुई, जिसमें कई बिंदुओं को अंतिम रूप देने के प्रयास किए गए। सोमवार को भी उक्त विषय में बैठक होनी है।

कर्मचारी संगठनों के आरोप- अधिकारी नहीं कर रहे बात

उधर कई कर्मचारी संगठनों के प्रमुख आरोप लगा रहे हैं कि नीति का ड्राफ्ट तैयार करने वाले कुछ अधिकारी मनमानी कर कर्मचारी जगत का विश्वास नहीं जीत पा रहे हैं। कर्मचारी संगठनों की ओर से पहल किए जाने के बावजूद भी अधिकारियों का फीडबैक नहीं बताया जा रहा है।

सरकार नहीं चाहती किसी भी तरह का विवाद-

सरकार किसी भी तरह का विवाद नहीं चाहती। सूत्रों के अनुसार सीएम डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों को साफ कहा है कि नीति कर्मचारियों को स्वीकार्य होनी चाहिए, इसलिए हर स्तर पर चर्चा करें। कर्मचारी वर्गों के जितने भी सुझाव व जिज्ञासाएं हैं, उन्हें दूर करने के प्रयास हो। उल्लेखनीय है कि सीएम डॉ. मोहन यादव ने हाल में कर्मचारियों को पदोन्नति दिए जाने संबंधी घोषणा की थी।

कर्मचारी संगठनों के प्रमुखों की यह है विभिन्न मांगें

» मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक का कहना है कि यदि 2016 से 2024 की डीपीसी अलग-अलग भूतलक्षी प्रभाव से नहीं की गई और प्रत्येक संवर्ग में वर्टीकल आरक्षण नहीं रखा गया तो फिर प्रत्येक वर्ग के साथ न्याय नहीं हो पाएगा। पूरी कवायद धरी रह जाएगी, इन दो बिंदुओं की उपेक्षा करते हुए कोई पदोन्नति नीति बनाई तो मुख्यमंत्री की सभी वर्गों को न्याय देने की मंशा पूरी नहीं हो पाएंगी और नई नीति को चुनौती देने वाली सैकड़ों याचिकाएं कोर्ट में लगने जैसी स्थिति निर्मित हो सकती है।

» अजाक्स की ओर से कह दिया है कि नीति संविधान सम्मत हो। उसमें एसटी, एससी समेत सभी वर्गों के कर्मचारियों का ध्यान रखा जाए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि एक ओर इन वर्गों के संरक्षण की बात की जाए और दूसरी तरफ इसका पालन न हो। ड्राफ्ट में 2002 के पदोन्नति नियम का ध्यान रखा जाए। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता मनोज गोरकेला द्वारा तैयार पदोन्नति नियम के उस ड्राफ्ट को भी ध्यान में लिया जाए जिसे संविधान सम्मत बताया जा चुका है। अजाक्स प्रतिनिधियों का मानना है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की प्रत्याशा में में सशर्त पदोन्नतियां भी दी जा सकती हैं।

» कर्मचारी जगत में पदोन्नति को लेकर हलचल तेज हो गई है। मप्र कर्मचारी मंच के अध्यक्ष अशोक पांडे के नेतृत्व में कर्मचारियों ने पोस्ट कार्ड अभियान शुरू कर दिया है। ये कार्ड मुख्यमंत्री के नाम लिखे जा रहे हैं, जिसमें कर्मचारियों को जल्द पदोन्नति दिए जाने की मांग की जा रही है।

जल गंगा संवर्धन अभियान का लक्ष्य सरकार ने बढ़ाया

खेत-तालाब 50 हजार नहीं 81 हजार बनवाएगी सरकार

» अभियान की सफलता से तय होनी है कलेक्टरों की परफार्मेंस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मोहन सरकार ने जल गंगा संवर्धन अभियान में खेत तालाब बनाने का लक्ष्य बढ़ा दिया है। शुरुआत में 50 हजार खेत तालाब बनाने का लक्ष्य तय किया था, जिसे 81 हजार कर दिया है। प्रदेश में किया जाने वाला यह बड़ा काम है, जिससे दो तरह के फायदे लिए जाने हैं। एक तो छोटे-छोटे तालाब बनाकर जमीन के अंदर भू-जल रिचार्ज होगा, दूसरी ओर किसानों के लिए पानी की छोटी-छोटी जरुरतों को दूर किया जाएगा। सरकार को 81 हजार खेत तालाब बनाने में 2200 करोड़ का खर्च आना आएगा। अब तक 23 हजार 495 खेत तालाबों का काम शुरू हो चुका है। अभी 57 हजार खेत तालाबों का काम न केवल शुरू कराना है, बल्कि 30 जून तक सभी 81 हजार का काम भी पूरा करवाना होगा। अभियान के तहत सरकार ने काम की कई श्रेणी बनाई है। खासकर तालाब, कुआं, बावड़ियां, नदियों समेत सभी सार्वजनिक महत्व के जल स्त्रोतों का गहरीकरण, संरक्षण, अतिक्रमण हटाना, खेत तालाब जैसे नए जल स्त्रोत और भू-जल बढ़ाने वाले नए निर्माण करना शामिल है।

अलीराजपुर, सिवनी व पन्ना आगे

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा कराए जाने वाले कामों में डिंडौरी, मुरैना व भिंड के कलेक्टर पिछड़ गए हैं। इन जिलों की उपलब्धी औसत दर्जे की नहीं मिली है जबकि अलीराजपुर, सिवनी, विदिशा, छिंदवाड़ा, बैतूल, अनूपपुर, रायसेन व पन्ना कलेक्टरों ने औसत से अच्छा काम करने में बढ़त बना रखी है। लक्ष्य के विपरित अलीराजपुर जिले में 88 फीसद, सिवनी में 69 फीसद व पन्ना में 67 फीसद काम हो चुका है। इसी तरह 7 लाख कूप रिचार्ज बनाने है, जिसमें से 24 हजार 685 काम शुरू हो चुके हैं। बैतूल ने लक्ष्य के विरुद्ध 73 फीसद, खंडवा ने 70 व छिंदवाड़ा ने 60 फीसद काम किया है। बाकी के जिलों की स्थिति ठीक नहीं है। प्रदेश में 1000 अमृत सरोवर बनाए जाने हैं, इनमें से 822 कामों के लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है। धार ने इस काम में लक्ष्य के विरुद्ध 39, सीधी ने 36 व छिंदवाड़ा ने 32 फीसद काम किया है।

जिलों की होंगी रैंकिंग, कलेक्टरों को मिलेगा पुरस्कार

जल गंगा संवर्धन अभियान की सफलता जिलो की रैंकिंग से तय होगी। अच्छा काम करने वाले तीन कलेक्टरों को पुरस्कार दिए जाएंगे, जो कि नगद राशि के रूप में होगी। इसके अलावा अमले को भी पुरस्कार बांटे जाएंगे। सूत्रों के मुताबिक इस काम की सफलता एक तरह से कलेक्टरों की परफार्मेंस तय करेगा।

लूनावत की स्मृति में कार्यक्रम आज शाम

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय विजेश लुनावत के चतुर्थ पुण्य स्मरण में विजेश लुनावत स्मृति फाउंडेशन द्वारा आज 5 मई शाम 4.30 बजे पॉलीटेक्निक चौराहा स्थित एनआईटीटीटीआर ऑडोटोरियम में

आयोजित कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश मुख्य वक्ता एवं उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रदेश शासन के मंत्री विश्वास सारंग, कृष्णा गौर, पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, सांसद आलोक शर्मा एवं महापौर मालती राय उपस्थित रहेंगी।

मप्र में गेहूं खरीद की आज आखिरी दिन

स्लॉट बुक नहीं करा पाए किसानों के पास रहेगा अंतिम मौका

भोपाल। मध्यप्रदेश में ई-उपार्जन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराने के बाद जो किसान 30 अप्रैल तक गेहूं उपार्जन के लिए स्लॉट बुकिंग नहीं कर पाए थे। उनके लिए आज आखिरी मौका है। किसान आज गेहूं उपार्जन के लिए स्लॉट बुक कर सकेंगे। किसानों को स्लॉट बुकिंग के बाद आज ही अपना गेहूं स्थानीय खरीदी केन्द्र पर लेकर जाना होगा।जो किसान आज स्लॉट बुक कराकर गेहूं बेचना चाहते हैं। उन्हें अपने जिले के जिला खाद्य कार्यालय में जाकर आवेदन देना होगा। इस आवेदन में किसान का नाम, किसान कोड, बेचे जाने वाले उपज (गेहूं) की मात्रा का उल्लेख करना होगा।5 मई को उपार्जन केंद्र पर किसान की उपज की तौल और बिल जारी न होने पर किसानों को नोडल अधिकारी द्वारा टोकन जारी करने के निर्देश दिए गए हैं।जिन किसानों के स्लॉट की वैधता समाप्त हो गई है। डीएसओ लॉगिन से उनकी अवधि बढ़ाने और इन किसानों से गेहूं की खरीदी 9 मई तक करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

बताया जाता है कि अब तक 8.55 लाख किसान सरकार को 73.92 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) गेहूं बेच चुके हैं। केंद्र ने पिछले साल की तरह मप्र को इस बार गेहूं खरीदी के लिए 80 एलएमटी का लक्ष्य दिया था। पिछले साल प्रदेश 48.36 एलएमटी गेहूं खरीद सका था। वहीं, इस साल हम लक्ष्य से लगभग 6 एलएमटी पीछे हैं।

पदोन्नति के लिए पोस्टकार्ड अभियान

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने प्रदेश के कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ देने के आदेश शासन से प्रसारित करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम पोस्टकार्ड आंदोलन शुरू किया है।

मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि पिछले 9 साल से मध्य प्रदेश के कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ नहीं दिया जा रहा है जिस कारण पिछले 9 साल में डेढ़ लाख कर्मचारी बिना पदोन्नति के लाभ के सेवानिवृत हो गए हैं मुख्यमंत्री ने माह अप्रैल में घोषणा करी थी कि शीघ्र ही पदोन्नति का लाभ देने के आदेश प्रसारित किए जाएंगे लेकिन एक माह का समय निकल गया और सरकार ने पदोन्नति का लाभ कर्मचारियों को देने के आदेश प्रसारित नहीं किए हैं जिस कारण प्रदेश के साढे सात लाख कर्मचारियों में असंतोष का वातावरण निर्मित हो गया है यह अभियान 30 मई तक चलाया जाएगा पोस्टकार्ड आंदोलन के तहत मुख्यमंत्री के नाम 1 लाख पोस्टकार्ड भेजे जाएंगे।

मेट्रो एंकर | नोडल अधिकारियों की नियुक्ति से सुधरेगी प्रवेश प्रक्रिया,

कॉलेजों में 15 से दाखिला, ऑनलाइन नहीं होंगे रजिस्ट्रेशन

दोहपर मेट्रो, भोपाल

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल के 12वीं के रिजल्ट 10 मई से पहले घोषित होने की संभावना है। ऐसे में प्रदेश भर के कालेजों में प्रवेश प्रक्रिया 15 मई से शुरू की जाएगी। इस बार एमपी आनलाइन के बदले दूसरे पोर्टल से पंजीयन होंगे। विद्यार्थियों को कॉलेज में प्रवेश दिलाने के लिए उच्च शिक्षा विभाग की ओर से कॉलेज चलो अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके लिए इस बार सभी जिलों में नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

आगामी शैक्षणिक सत्र 2025-26 में मध्य प्रदेश के कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया को सुचारु और पारदर्शी बनाने के लिए विभाग ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस संबंध में विभाग ने आदेश जारी किए हैं। हर जिले में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जो प्रवेश से संबंधित समस्याओं के

समाधान के लिए उच्च शिक्षा संचालनालय से समन्वय स्थापित करेंगे। इन नोडल अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी कि वे कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत जारी दिशा-निर्देशों का पालन कराएं और प्रतिदिन प्रवेश से संबंधित रिपोर्ट अतिरिक्त संचालक को भेजें। इसके अलावा अतिरिक्त संचालक संभाग स्तर पर निगरानी कर आयुक्त को रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

हेल्पलाइन नंबर भी जारी

वहीं उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों की सुविधा के लिए ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन काउंसलिंग की व्यवस्था की है, जहां विद्यार्थी ऑनलाइन पंजीयन कर प्रवेश प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। प्रवेश से संबंधित सहायता के लिए टोल-फ्री नंबर 18008908399 और हेल्पलाइन नंबर 8000063632 भी जारी किए गए हैं।

संपादकीय

हर व्यक्ति की पहुंच हो

हर व्यक्ति की डिजिटल सेवाओं तक पहुंच संबंधी सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला बेहद अहम है। तकनीक जिस तेजी से दुनिया के लोगों को करीब ला रही है, और सुविधाओं का सहज उपयोग करने के लिंये प्रेरित कर रही है, वहां कुछ मामलों में यदि कोई इससे वंचित रह जाता है तो सिस्टम को इस पर सोचकर परिवर्तन के लिये कदम उठाने ही होंगे। कोर्ट ने भी कहा है कि डिजिटल सेवाओं तक पहुंच हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है, आज के वक्त की जरूरत है। डिजिटल पहुंच जीवन को सिर्फ आसान ही नहीं बनाती, बल्कि जीने के लिए समान अवसर भी देती है। सामाजिक-आर्थिक अंतर को पाटने का एक तरीका यह भी है कि डिजिटल मोर्चे पर सभी को एक जैसे मौके मुहैया कराए जाएं। दरअसल हाल में दो एसिड सर्वाइवर्स की वजह से इतना अहम मुद्दा सामने आया। इनमें से एक सर्वाइवर की आंखें नहीं झपकती और एक पूरी तरह से नेत्रहीन है। इस वजह से दोनों का बैंक केवायसी नहीं हो सका। तब दोनों ने याचिका दायर कर केवायसी नियमों में बदलाव की मांग की थी। शीर्ष अदालत ने इस केस को बड़े परिप्रेक्ष्य में देखा और संविधान के आर्टिकल 21 का जिक्र किया, जो सभी को गरिमा के साथ जीने और आजीविका कमाने का अधिकार देता है। आज लगभग सभी सेवाएं और सुविधाएं डिजिटली मौजूद हैं। अगर शारीरिक दिक्कत की वजह से कोई इन सेवाओं-सुविधाओं से वंचित रह जाता है, तो यह उसके अधिकारों पर चोट है। इसी वजह से कोर्ट ने केंद्र, आरबीआई और सभी संबंधित रेगुलेटरी अथॉरिटी को केवायसी प्रक्रिया में बदलाव का आदेश दिया है। उल्लेखनीय होगा कि चीन के बाद इंटरनेट यूजर्स के मामले में भारत दूसरे नंबर पर है। सरकार के पिछले साल अगस्त में जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में 95 करोड़ से ज्यादा इंटरनेट सब्सक्राइबर्स थे। इनमें से करीब 39 करोड़ आबादी ग्रामीण थी। सरकारी डेटा के मुताबिक, 95.15त्न गांवों तक इंटरनेट की पहुंच हो गई थी। ये आंकड़े डिजिटल इंडिया की तरक्की की कहानी कहते हैं, लेकिन यह कहानी तब तक अधूरी है, जब तक इंटरनेट के जरिये लोगों को बदलाव का मौका नहीं मिलता। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में जिस डिजिटल डिवाइड की बात की, वह एक बड़ी हकीकत है। डिजिटल सुविधाओं का फायदा उठाने के मामले में भी समाज में एक बड़ी खाई है। टेक्नॉलजी, उससे जुड़ी जानकारी, भाषा - ऐसे तमाम गतिरोध हैं, जो बड़ी आबादी को डिजिटल क्रांति का फायदा लेने से रोकते हैं। शीर्ष अदालत ने इन्हीं परेशानियों को संबोधित किया है। शीर्ष अदालत ने माना कि डिजिटल खाई को पाटना अब केवल नीति का मसला नहीं रहा, यह एक संवैधानिक जरूरत बन चुका है, ताकि हर नागरिक को सम्मानपूर्ण जीवन, स्वायत्तता और सार्वजनिक जीवन में समान भागीदारी मिल सके। अब यहां से सरकार की जिम्मेदारी है कि वह इस मसले पर गंभीरता से आगे बढ़े। टेक्नॉलजी अपने में खुद कभी भेदभाव नहीं करती और उसकी असली ताकत भी इसी में है कि वह सभी को समान रूप से उपलब्ध हो। इसीलिये सरकार को अपने सिस्टम में नीचे के स्तर तक कर्मचारियों और अधिकारियों में इस तरह की समझ पैदा करना होगी कि कोई भी हितग्राही या यूजर इसके उपयोग के समान अधिकार का पात्र बनाया जाए। यदि ऐसा नहीं होगा? तो तकनीक का इस तेजी से विकास और इसके उदेश्य कहीं न कहीं अधूरे रह सकते हैं।

जनगणना में जातिगत राजनीति के बजाय शिक्षा स्वास्थ्य रोजगार के लिए लाभ की महत्ता

■ आलोक मेहता

मोदी सरकार द्वारा जनगणना के निर्णय की घोषणा होते ही धुआंधार राजनीति शुरु हो गई । खासकर इस बार जनगणना के दौरान नागरिक की जाति का प्रश्न रहने से दलितों पिछड़ों अल्पसंख्यकों की संख्या के आंकड़े देश दुनिया के सामने आ जाएंगे । सत्ता ही नहीं प्रतिपक्ष भी जातिगत जनगणना के निर्णय का श्रेय लेने की होड़ में लगे हैं । सबको लगता है कि इससे आगामी चुनावों में उन्हें पिछड़ों का एकमात्र संरक्षक माने जाने का लाभ मिलेगा । यह भी तथ्य है कि पिछले 75 वर्षों के दौरान कांग्रेस और भाजपा के शीर्ष नेता जातीय राजनीति और जाति के आधार पर संविधान के प्रावधान से अधिक आरक्षण को अनुचित बताते रहे हैं और जनगणना के जातिगत आकलन को सामने नहीं रखा गया । कांग्रेस में महात्मा गाँधी के आदर्शों के नाम पर इंदिरा और राजीव गाँधी जाति धर्म आदि के आधार पर भेदभाव को लेकर आवाज उठाते रहे । भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के आदर्शों के अनुरुप जाति धर्म के बजाय सबको हिन्दू और भारतीय माने जाने की दुहाई देती रही । इसलिए हमेशा यही कहा गया कि जातिगत जनगणना से देश का सामाजिक ढांचा प्रभावित होगा । लोगों के बीच वैमनस्यता का भाव बढ़ सकता है. जाति व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी । भारत में हजारों जातियां हैं, इनमें से हरेक जाति को परिभाषित करना कठिन है । पिछली 2011 की जनगणना में तो बताया जाता है कि लोगों ने 25 लाख से अधिक जातियां उप जातियां लिखवा दी ।

इसे विडम्बना ही कहा जाएगा कि देश के भविष्य 2047 के विकसित भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के लक्ष्य की पूर्ति के लिए जनगणना से समाज में शिक्षा , स्वास्थ्य और रोजगार की सही स्थिति और उसके आधार पर योजना कार्यक्रम बजट के आकलन के लाभ की चर्चा सत्तारुढ़ गठबंधन के नेता भी नहीं कर रहे हैं । जबकि शिक्षा स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दिए बिना सम्पूर्ण समाज को कोई लाभ नहीं मिल सकता है । शिक्षित और स्वास्थ्य रक्षा के बिना तो रोजगार ही नहीं खेतीबाड़ी और मजदूरी भी ठीक से नहीं हो सकती है । प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़े पैमाने पर विचार विमर्श के बाद नई शिक्षा नीति 2020 और आयुष्मान भारत जैसी क्रन्तिकारी नीति योजनाएं लागू कर दी । इसलिए ऐसी योजनाओं के क्रियान्वयन और दूरगामी लाभ के लिए बहुत काम करने और वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था करनी है । इस तरह के महत्वपूर्ण कार्य के लिए राज्य सरकारों , विधान सभाओं , स्थानीय निगमों , पंचायतों की भूमिका और सहयोग की आवश्यकता होगी। दलगत स्वार्थों के लिए राष्ट्रीय नीतियों कार्यक्रमों का विरोध विकास में बाधक रहेगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकड़ों के मुताबिक 2011 में जब भारत में पिछली जनगणना हुई थी तब हमारी अर्थव्यवस्था का आकार 1.8 लाख करोड़ डॉलर था। यह संभव है कि जिस समय तक अगली जनगणना पूरी होगी या उसके परिणाम आने शुरू होंगे तब तक भारत 5 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बन चुका होगा।

आज़ादी के बाद यह पहला मौका होगा जब जनगणना के दौरान जाति के आंकड़े संग्रहीत किए जाएंगे। हालांकि अनुसूचित जाति और जनजाति के आंकड़े दर्ज किए जाते हैं लेकिन व्यापक स्तर पर जातिगत आंकड़े इससे पहले 1931 की जनगणना में एकत्रित किए गए थे। वास्तव में 2024 के लोक सभा चुनावों में जाति जनगणना कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के सबसे प्रमुख चुनावी वादों में से एक था।

अब जनगणना से संविधान के मुताबिक संसदीय सीटों के नए परिसीमन का आधार बनेगा । ऐसे में इसके परिणाम देश में सामाजिक विभाजन को बढ़ाने वाले साबित हो सकते हैं और उनका बहुत सर्तकता के साथ प्रबंधन करना होगा। दक्षिण भारत के राज्यों ने भी यह चिंता जताई है कि उत्तर भारत के राज्यों की आबादी की संख्या अधिक होने पर लोक सभा में उनकी हिस्सेदारी कम की जा सकती है। यह संभव है कि कुछ राजनीतिक दल विधायिका में भी जाति आधारित आरक्षण की मांग करें। जाति जनगणना के अन्य संभावित परिणामों में अधिक आरक्षण की मांग भी शामिल है। वास्तव में इसकी शुरुआत हो भी चुकी है। लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मांग कर दी है कि आरक्षण पर सीमा समाप्त की जानी चाहिए और निजी शैक्षणिक संस्थानों में भी कोटा लागू किया जाना चाहिए।

कई समूहों के लिए जाति जनगणना और आरक्षण में हिस्सेदारी आगे बढ़ने की एक उम्मीद है। प्रश्न यह है कि क्या इससे देश बेहतर बन सकेगा? और क्या यह सबसे वांछित हल है। असल मुद्दा है आम जनता के लिए शिक्षा की कम गुणवत्ता और आर्थिक अवसरों की कमी। जब तक इन मुद्दों को हल नहीं किया जाएगा, जाति जनगणना और आरक्षण का संभावित पुनर्संयोजन देश को बहुत आगे नहीं ले जाया सकता है । सुप्रीम कोर्ट ने 1992 में इंद्र साहनी बनाम भारत सरकार मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कोर्ट ने कुल आरक्षण की सीमा 50 फीसदी तय कर दी. । इसके बाद 2006 में यूपीए सरकार के समय में तत्कालीन मानव संसाधन मंत्री अर्जुन सिंह ने सरकारी शिक्षण संस्थानों में मंडल आयोग की सिफारिश को लागू किया । इनमें आईआईटी और मेडिकल कॉलेज भी शामिल थे. । इस तरह से मंडल कमीशन की रिपोर्ट को पूरी तरह से लागू कर दिया गया ।2011 में जाति जनगणना को लेकर एक प्रयास किया गया था। तब यूपीए की सरकार केंद्र में थी. सरकार ने आर्थिक, सामाजिक और जातिगत जनगणना करवाई । जाति संबंधित आंकड़े जुटाए, लेकिन इसे सार्वजनिक नहीं किया गया । ऐसा कहा जाता है कि इनमें कई खामियां थीं । तत्कालीन वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने तो यह कहते हुए विरोध किया था कि जो लोग सेंसस में काम करते हैं । उनके पास जातीय जनगणना संबंधित आंकड़े इकट्ठे करने का कोई अनुभव नहीं है। सवाल यह है कि इस बार भी जनगणना के दौरान या बाद में राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस पार्टी या लालू यादव जैसे नेताओं के क्षेत्रीय दल जनगणना की मशीनरी , तथ्यों और आंकड़ों को ही चुनौती देकर अस्वीकार नहीं करेंगे । राहुल गाँधी तो चुनाव आयोग और वोटिंग मशीन तक का विरोध कर रहे हैं । इस बार तो जनगणना भी इलेक्ट्रानिक यानि मोबाइल फोन और विशेष एप के जरिए होगी। जनगणना के उद्देश्य के लिए सभी प्रगणकों और पर्यवेक्षकों द्वारा इसकी अधिकतम स्वीकार्यता सुनिश्चित करने के लिए मोबाइल ऐप को बहुत ही सरल, सुविधाजनक और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाया गया है। मोबाइल ऐप की मदद से, अनुसूची और आईसीआर प्रसंस्करण के लिए अतिरिक्त लॉजिस्टिक्स की आवश्यकता के बिना, सभी डेटा तत्काल प्रसंस्करण के लिए तैयार हो जाएगा। भारत की जनसंख्या जनगणना 'डिजिटल जनगणना' में बदल रही है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनाते हुए, आगामी जनगणना अभ्यास के सुचारू संचालन और प्रभावी प्रबंधन तथा निगरानी के लिए भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय द्वारा सीएमएमएस पोर्टल विकसित किया गया है।देश भर में लगभग 135 करोड़ (1.35 बिलियन) लोगों की गणना करने के लिए लगभग तीस लाख कर्मचारी और पर्यवेक्षक लगेंगे ।वे मुख्य रूप से स्थानीय स्कूल शिक्षकों, केंद्र और राज्य/केंद्र शासित सरकार के अफसरों व स्थानीय निकायों से लिए जाते हैं, जो जनगणना कार्य के लिए हर घर का दौरा करेंगे। सरकार ने इस साल के बजट में जनगणना की तैयारी के लिए 574 करोड़ का प्रावधान किया था । फिर 1 से 2 वर्ष के काम के लिए 12 हजार करोड़ खर्च का अनुमान है । इसलिए जरूरी है कि देश के दूरगामी हितों को ध्यान में रखा जाए और राजनीतिक स्वार्थों और विवादों से बचाया जाए ।

जनगणना के उद्देश्य के लिए सभी प्रगणकों और पर्यवेक्षकों द्वारा इसकी अधिकतम स्वीकार्यता सुनिश्चित करने के लिए मोबाइल ऐप को बहुत ही सरल, सुविधाजनक और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाया गया है। मोबाइल ऐप की मदद से, अनुसूची और आईसीआर प्रसंस्करण के लिए अतिरिक्त लॉजिस्टिक्स की आवश्यकता के बिना, सभी डेटा तत्काल प्रसंस्करण के लिए तैयार हो जाएगा। भारत की जनसंख्या जनगणना 'डिजिटल जनगणना' में बदल रही है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनाते हुए, आगामी जनगणना अभ्यास के सुचारू संचालन और प्रभावी प्रबंधन तथा निगरानी के लिए भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय द्वारा सीएमएमएस पोर्टल विकसित किया गया है। देश भर में लगभग 135 करोड़ (1.35 बिलियन) लोगों की गणना करने के लिए लगभग तीस लाख प्रगणक और पर्यवेक्षक लगेंगे । प्रगणक और पर्यवेक्षक मुख्य रूप से स्थानीय स्कूल शिक्षकों, केंद्र और राज्य/केंद्र शासित सरकार के अधिकारियों और स्थानीय निकायों से लिए जाते हैं, जो जनगणना कार्य के लिए हर घर का दौरा करेंगे।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

जहाँ सौ में से अस्सी आदमी भूखे मरते हों, वहाँ दारु पीना गरीबों के रक्त पीने के बराबर है।
- प्रेमचन्द

डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर एक अनूठे अनुसंधानकर्ता

■ अशोक मनवानी

प्रख्यात पुरातत्व विद और चित्रकार पद्मश्री विष्णु श्रीधर वाकणकर जी का जन्म 3 मई 1919 को हुआ था। डॉ. वाकणकर वो शख्स हैं जिन्होंने शैल चित्रकला को एक विधा के रूप में स्थापित किया। सिर्फ भीमबेटका की खोज तक उनका जुनून सीमित ना था। मध्य प्रदेश और देश के ऐसे सभी स्थानों पर उन्होंने यात्रा की जहां शैल चित्र भले बहुतायत में ना हों, इक्का-दुक्का चट्टान पर ही अंकित हों। उसकी शोध विवेचना करते ही थे।इसके लिए उनका बड़ा योगदान है जो कि इतिहास में भी दर्ज है। सागर विश्वविद्यालय में प्रो श्याम कुमार पांडे ने भी शैल चित्रकला के अध्ययन और अनुसंधान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। डॉ वाकणकर ने डॉ प्रदीप शुक्ला जैसे अध्येयताओं के प्रोत्साहन के प्रयास किए। सागर विश्वविद्यालय प्राचीन शैल चित्रकला के अध्ययन का महत्वपूर्ण केंद्र बना। निश्चित थी वाकणकर जी का मार्गदर्शन प्राप्त कर हजारों विद्यार्थियों ने शैल चित्र कला से संबंधित अनुसंधान किए हैं।

यह परमात्मा का आशीर्वाद ही है कि पिता प्रोफेसर एस एन मनवानी प्राचीन भारतीय इतिहास ,संस्कृति और पुरातत्व के शिक्षण, प्रशिक्षण से आजीवन जुड़े रहे जिसके कारण मेरी रुचि इन विषयों में परिष्कृत होती गई। वाकणकर जी पिता के मित्र कह लें या गुरु कहें, लेकिन परिवार के सदस्य की तरह थे। वे सागर में किसी के घर जाएं ना जाएं हमारे घर पधारते थे। मैंने उनके साथ सागर के नजदीक दो तीन ऐसे शैल चित्र कला स्थलों का भ्रमण भी किया जो अल्पज्ञात रहे हैं। मुझे स्मरण है सागर में पिता से मिलने के लिए अक्सर वाकणकर जी जब घर आ जाते थे तो उनकी व्यंग्य विनोद की शैली से परिवार के सभी सदस्य प्रभावित होते। वे किसी भी अकादमिक कार्य से विश्वविद्यालय पधारते तो घर में उनका स्वागत करने का दायित्व मेरा ही होता था। एक बार तो उन्होंने अपनी तूलिका से एक व्हाइट पेपर पर मेरी किशोर अवस्था का चित्र बनाया था जो मैंने सहेज रखा था और अभी कागजों में कहीं दब गया है। आखरी बार उनसे वर्ष 1985 में भेंट हुई। मैं पत्रकारिता की डिग्री कर रहा था और तब एक पत्रिका में उनके कार्यों पर लेख भी लिखा था। उन्होंने जल्दी ही फिर सागर आने का वायदा किया था । लेकिन वाकणकर जी ने यह वादा नहीं निभाया। एक दो साल बाद उनके अवसान का समाचार मिला था। मैंने उज्जैन जाकर ताई से उस समय और बाद में जब भी उज्जैन गया हमेशा भेंट की ।

राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रबल समर्थक वाकणकर जी के स्नेह और आशीर्वाद से इस तरह मैं लाभान्वित हुआ। कुछ बरस पहले उनकी जन्मशती के अवसर पर कार्यक्रम में आदरांजलि देने का अवसर भी मुझे मिला है। उनका अवसान 3 अप्रैल 1988 को हुआ था। उनकी सेवाओं को मध्य प्रदेश के पुरातत्व प्रेमी, जनप्रतिनिधि और नागरिक ही नहीं शैल चित्र कला जगत से जुड़े विश्व के सभी लोग सदैव याद करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मध्य प्रदेश के आठवें टाइगर रिजर्व रातापानी अभ्यारण्य का नाम डॉक्टर विष्णु श्रीधर वाकणकर जी के नाम पर घोषित कर उन्हें यथोचित सम्मान दिया है।

(साभार : लेखक मासिक पत्रिका मध्यप्रदेश संदेश के संपादक हैं, यह लेखक के निजी विचार हैं)

मीडिया की आज़ादी को कृत्रिम बुद्धिमत्ता की चुनौती

■ चेतनादित्य आलोक

किसी भी देश अथवा समाज में स्वतंत्र मीडिया के बिना स्वस्थ लोकतंत्र को सुनिश्चित कर पाना संभव नहीं हो सकता, क्योंकि मीडिया वास्तव में लोकतंत्र का प्रहरी होता है। लोकतंत्र का ही क्यों, मीडिया तो राष्ट्र, मानवीय सभ्यता और संस्कृति, यहां तक कि मानवता का भी रक्षक होता है। आश्चर्य नहीं कि समय-समय पर भारत एवं दुनिया भर में मीडिया ने अपनी भागीदारी एवं भूमिकाओं से इसे सही साबित भी किया है। यही कारण है कि मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। समय बीतने के साथ-साथ मीडिया ने अपने पिछले अनुभवों के आधार पर अपनी भागीदारी एवं भूमिकाओं में अपेक्षित परिवर्तनों के साथ विस्तार दिया है।मीडिया के कार्य करने का मुख्य आधार 'जनपक्षधरता' और इसका प्रधान उद्देश्य 'जनता में जागृति' लाना होता है और इन्हीं दोनों कारणों से मीडियाकर्मियों यानी पत्रकारों के लिए बिना रोक-टोक, विरोध और अड़चन के अपने कार्यों का निष्पादन कर पाना कभी भी सहज नहीं रहा है। दरअसल, जनपक्षधरता और जनता में जागृति लाने का कार्य अत्यंत जोखिम भरा होता है। इसीलिए दुनिया भर में प्रायः पत्रकारिता को बेहद जोखिम भरा कार्य माना जाता है। दुर्भाग्य से, दिनोंदिन जोखिम बढ़ने के कारण विश्व भर के लोकतांत्रिक देशों में पत्रकारों के लिए निष्पक्ष रहकर कार्य कर पाना लगातार मुश्किल और जोखिम भरा होता जा रहा है। कई बार अपने कार्यों का निष्पादन करते हुए पत्रकारों को अपनी जान भी गंवानी पड़ती है। अब तक विश्व भर से ऐसे कई उदाहरण सामने आ भी चुके हैं। यूनेस्को की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2006 से 2020 के बीच दुनिया भर में 1,200 से अधिक मीडिया पेशेवरों की हत्या कर दी गई। इनमें से 90 प्रतिशत मामलों में उनके हत्यारे दंडित नहीं किए जा सके।

इसके बावजूद, पत्रकारिता के मानदंडों पर खरे उतरते हुए पत्रकार सत्य को उजागर करने की अपनी जिम्मेदारी निभाने को लेकर अपनी जान को जोखिम में डालने से भी नहीं हिचकते। अपनी जिंदगी को खतरे में डालकर कार्य करने वाले पत्रकारों की आवाज को कोई भी ताकत दबा न सके और उनके निष्पक्ष और सशक्त अभियानों पर कोई भी व्यक्ति, संस्थान या सरकार अंकुश न लगा सके, इसके लिए उनकी स्वतंत्रता बहुत जरूरी और अहम है। जाहिर है कि यदि वे स्वतंत्र नहीं रहेंगे तो अपने कार्यों को निष्पक्ष रहते हुए अच्छे ढंग से नहीं कर पाएंगे।

इसी बात को ध्यान में रखते हुए प्रेस की स्वतंत्रता के मूलभूत सिद्धांतों का पालन करने तथा पत्रकारों की स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 3 मई को 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस' मनाया जाता है। यह दिन उन पत्रकारों को स्मरण और सम्मानित करने तथा श्रद्धांजलि देने के लिए भी मनाया जाता है, जिन्होंने सत्य को उजागर करने की कीमत अपनी जान देकर चुकाई है अथवा जिन्होंने देश-दुनिया में अपनी पत्रकारिता के दम पर अपना नाम बनाया और एक मुकाम हासिल किया है। प्रतिवर्ष रिपोर्ट्स विदाउट बॉर्डर्स (आरएसएफ) द्वारा प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक नामक एक वैश्विक सूची प्रकाशित की जाती है। इस सूची में विश्वभर के पत्रकारों को कार्य करने की उपलब्ध स्वतंत्रता के आधार पर देशों की रैंकिंग प्रस्तुत की जाती है। बता दें कि प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक रिपोर्ट 2024 में भारतीय पत्रकारों को लेकर चिंताजनक रुझान दिखाई दिए हैं। दरअसल, 2024 के इस सूचकांक में भारत विश्व भर के 180 देशों में 159वें स्थान पर मौजूद है, जो पिछली रिपोर्ट से भी नीचे है। रिपोर्ट में मीडिया स्वामित्व संकेन्द्रण, पत्रकारों का उत्पीड़न और इंटरनेट शटडाउन जैसे मुद्दों पर प्रकाश डाला गया है।

गौरतलब है कि 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस' मनाने के लिए यूनेस्को की ओर से प्रत्येक वर्ष एक वैश्विक सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। इस वैश्विक सम्मेलन में सामान्यतः पत्रकारों, मीडिया नेताओं, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और गैर सरकारी संगठनों की भागीदारी होती है। बता दें कि 2025 में यह सम्मेलन 5 से 7 मई तक ब्रूसेल्स में आयोजित होने वाला है, जिसमें पत्रकारिता में एआई की परिवर्तनकारी भूमिका और मीडिया स्वतंत्रता के लिए इसके निहितार्थों पर ध्यान केंद्रित किया जाना है। यूनेस्को द्वारा वर्ष 2025 के लिए विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की थीम 'रिपोर्टिंग इन द ब्रेव न्यू वर्ल्ड - द इम्पैक्ट ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऑन प्रेस फ्रीडम एंड द मीडिया' घोषित की गई है। इस थीम का उद्देश्य आधुनिक पत्रकारिता में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव पर प्रकाश डालना है। गौरतलब है कि इस थीम के माध्यम से विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस 2025 के अवसर पर तेजी से एआई-विनियमित डिजिटल वातावरण के भीतर मानव अधिकारों की रक्षा करने की तत्काल आवश्यकताओं पर जोर दिये जाने की संभावना है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

आज का इतिहास

- 1949 - भारत में झारखंड पार्टी की स्थापना।
- 1999 - रोजाने प्रोदी यूरोपीय संघ के कार्यकारी अध्यक्ष बने।
- 2003 - भारत-बांग्लादेश संयुक्त नदी आयोग की बैठक सिलहट में शुरू हुई।
- 2003 - बेल्जियम में गुय वेरहोफ्सराड के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार का पतन।
- 2005 - टोनी ब्लेयर बिट्रेन के तीसरी बार प्रधानमंत्री बने।
- 2008 - एनटीपीसी के रिहन्द सुपर थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट को तीसरी बार ग्रीनटेक गोल्ड सेफ्टी अवार्ड मिला।
- 2010 - आंध्रप्रदेश के श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से उच्च क्षमता वाले साउंडिंग रॉकेट का उड़ान परीक्षण सफल रहा।
- 2010 - भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने नारको एनालिसिस, ब्रेन मैपिंग या पोलीग्राफ टेस्ट जैसी जांचों को व्यक्ति के मौलिक अधिकार का उल्लंघन बताया।

निशाना

भूले हैं ना भूलेंगे !

-कृष्णेन्द्र राय

रह रह कर, रुक रूक कर ।
रख रहे विचार ।।
बख्शेंगे ना किसी को ।
रहना खबरदार ।।
भूले हैं ना भूलेंगे ।
था उत्पात मचाया ।।
तुमने उन परिवारों को ।
है बहुत रुलाया ।।
जी रहे हो खौफ में ।
चुकता जल्द हिसाब ।।
चकनाचूर है होना ।
आतंक का हर ख्वाब ।।
दिख रहा है भय ।
जो था बहुत जरूरी ।।
इंतजार रणनीति है ।
ना है कुछ मजबूरी ।।

नर्मदा नदी के बाबरी घाट पर सप्ताह में दूसरी बार श्रमदान, पांच क्विंटल कचरा एकत्रित किया

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

मप्र जन अभियान परिषद तथा रिलाएबल सोशल वेलफेयर सोसायटी द्वारा मां नर्मदा के बाबरी घाट पर श्रमदान कार्य किया। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बाबरी घाट पर सप्ताह में दूसरी बार श्रमदान कार्य किया गया।

इस दौरान मां के आंचल से लगे एक बड़े क्षेत्र का पूरा कचरा श्रमदान के माध्यम से साफ किया। लगभग पांच क्विंटल कचरा श्रमदान के दौरान घाट से बीना गया। साफ सफाई कार्य के दौरान दो लोगों को नर्मदा नदी में कचरा फेंकते हुए रोका, घाट पर शौच कर रहे एक युवा को समझाइश देकर वहां से हटाया। इस कार्य में लगे युवाओं को देखकर नहाने आए कई लोगों ने भी अपना सहयोग दिया।

विकासखंड समन्वयक हरिदास दायमा तथा परामर्शदाता ईश्वर विश्नोई ने नर्मदा जी नहाने आए श्रद्धालुओं व अन्य लोगों को घाट पर साफ सफाई

बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। नदी व घाट पर पॉलिथीन का प्रयोग न करने, कचरा ना फैलाने, पानी को प्रदूषित करने वाली वस्तुएं जैसे साबुन, शैंपू, सिक्के आदि का प्रयोग न करने की समझाइश दी। विद्यार्थियों व ग्रामीणों को स्वच्छता अभियान बनाए रखने, जल स्रोतों को गंदा न करने की शपथ दिलाई। इस दौरान जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक हरिदास दायमा के नेतृत्व में परामर्शदाता ईश्वर विश्नोई, एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थियों में देवेंद्र यदुवंशी, अक्षय दामड़े, राजेश जाट, सोनम हरियाले, गौरव तंवर, बीएसडब्ल्यू के आदर्श सोनी, सत्यम यादव, शानू लौवंशी, विनोद मालवीया, रिलाएबल सोशल वेलफेयर सोसायटी के कमलेश लौवंशी, विवेक योगी, हरिशंकर लौवंशी, ग्रामीण रामकृष्ण यदुवंशी, गोविंद लौवंशी, पूजा मालवीया, बसंत केवट आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

चोरों का आतंक : युवा कर रहे पहरेदारी, पुलिस टीम कर रही खोजबीन

चोरों ने चार सूने घरों के चटकाए ताले, लाखों का माल साफ

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

शहर में लगातार बढ़ रही चोरियों की घटनाओं को लेकर चोरों के होसले बुलंद हैं पुलिस की रात्रि गस्त पर लग रहे है प्रश्न चिन्ह? नगर में लंबे समय से चोर चोरी की घटनाओं का अंजाम दे रहे हैं जिसके चलते सिवनी मालवा की उप नगरी बानापुरा की निलय ड्रीम कॉलोनी स्थित 4 अलग अलग सूने मकानों को चोरो ने अपना निशाना बनाया। पहले मामले का पता रात लगभग 9 बजे चला जब सौरभ गौर का परिवार अपने ग्राम बुंडारा कला से लौटकर वापस आया तो देखा तो दरवाजे की कुंडी कटी हुई थी जब घर के अंदर जाकर देखा तो घर का पूरा सामान बिखरा पड़ा हुआ थाथाऔर घर मे रखी एक सोने की अंगूठी, 2 चांदी की पायल, 20 हजार रुपये नगदी सहित अन्य सामान गायब था। जिसकी सूचना परिजनों ने पुलिस को दी घटना स्थल पर पहुंचे पुलिस ने निरिक्षण किया पुलिस के लौटने के कुछ देर बाद ही जब कॉलोनी के लोगों ने अन्य बंद मकानों को देखा तो 3 अन्य मकानों के भी कुंडी कटी हुई थी।

जिसके बाद कॉलोनी के निवासियों ने घर वालो को सूचना दी साथ ही पुलिस को पुन-बुलाया गया। जिस पर पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी खंगाले जिसमे अलग अलग 5 लोग दिखाई दिए

है। जो चोरी की बारदात को अंजाम दे रहे है। हालांकि आज पुलिस के द्वारा डॉग स्कॉट सहित फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट को बुलाने का आश्वासन परिजनों को दिया गया है।

घटना निलय ड्रीम कॉलोनी की है जिसमे सौरभ गौर के घर से एक सोने की अंगूठी, दो चांदी की पायल सहित लगभग 20 हजार रूपये नगदी, विनोद पटेल के मकान से सोने की अंगूठी सहित लगभग 65 हजार रूपये नगदी, दीपक गौर के मकान से घर की रजिस्ट्री सोने की एक चेन, 2 सोने की अंगूठी सहित 25 हजार रूपये नगदी एवं अनिल शर्मा के मकान मे भी चोरी की घटना हुई है परन्तु उनका परिवार झाँसी गया हुआ है उन्हें भी सूचना दी गई है।

थाना प्रभारी अनूप कुमार उइके ने बताया की उपनगरी बानापुरा मे निलय ड्रीम कॉलोनी मे 4 अलग अलग मकानो मे चोरी को घटना को सूचना मिली थी। जिस पर घटना स्थल पहुंच निरिक्षण किया है कुछ लोग सीसीटीवी मे दिखाई भी दिए है जिनका पता लगाया जा रहा है। साथ ही सिवनी-मालवा,शिवपुर, डोलरिया, पथरौटा थाने के थाना प्रभारी ने भी घटना स्थल की सर्चिंग की कर सीसीटीवी फुटेज खंगालना शरू कर दिया सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है पांच चोर चोरी की घटना को अनजान देते नजर आए अब देखना यह है की सीसीटीवी कैमरा में जो चोर नजर आ रहे पुलिस कब तक इन चोरों को पकड़ पएगी। पहले भी नगर में कई चोरियां हो चुकी है जिनका आज तक पुलिस को कोई सुराग नहीं मिला है।

साइन ईडन पार्क छोटी पहाड़िया के आसपास की कालोनियों में चोरों का खौफ

नर्मदापुरम। जिला मुख्यालय के आसपास की कालोनियों में कुछ दिन पूर्व हुई चोरी की घटनाओं का पुलिस अब तक खुलासा नहीं कर सकी है। शातिर चोर गिरोह पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है और कॉलोनी में रहने वाले रहवासी दहशत में रात गुजारने को मजबूर है। वहीं कॉलोनी के युवाओं की टीम अब रात में स्वयं पहरा दे रही है। निरंतर हुई चोरियों के शातिर चोर गिरोह अब तक नहीं पकड़े जाने से नाराज साइन ईडन पार्क छोटी पहाड़ियां निवासी समाजसेवी स्वदेश सैनी द्वारा पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर चोर गिरोह को पकड़ने सहित पुलिस गश्त बढ़ाए जाने की मांग की गई है। साथ ही अब कॉलोनी के युवाओं द्वारा कॉलोनी वासियों को चोरों के आतंक और भय से बचाने के लिए रात को स्वयं पहरा देकर सुरक्षा की जा रही है। तो ऐसे में पुलिस जवानों की गश्त की पेमेंट युवाओं को देने के लिए भी कहा गया है। पुलिस अधीक्षक से आग्रह किया गया है कि चोरों के गिरोह को जल्द से जल्द पकड़ा जाए ताकि क्षेत्र के नागरिक निडर होकर रहवास कर सकें। अवगत हो कि अप्रैल माह में ग्लोबल नेट और डिवाइन सिटी कॉलोनी के करीब 7 घरों में चोरों ने बेखौफ चोरी कर फरार हो गए। वारदात की घटना सीसीटीवी में भी कैद हुई है। मामले में एसडीओपी पराग सैनी ने बताया कि चोरों को पकड़ने के लिए पुलिस टीम लगातार प्रयास कर रही है। यह बाहरी चोर गिरोह है, जिनका तरीका घरों में चोरी के बाद एक दो पहिया वाहन लेकर जाना होता है इसी प्रकार की चोरी मंडीदीप में भी हो चुकी है। जो कि एक स्थान पर चोरी कर आगे बढ़ जाते हैं चोर गिरोह को पकड़ने का पूरा प्रयास किया जा रहा है और पुलिस टीम रात को गश्त भी कर रही है। देहात थाना प्रभारी प्रवीण चौहान ने बताया कि चोर गिरोह अभी पकड़े नहीं गए है, उन्हें पकड़ने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। पुलिस टीम सतत लगी हुई है।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना बनी किसानों के लिए वरदान

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना का उद्देश्य देश के किसानों को आधुनिक एवं जल- सिंचाई तकनीकों से जोड़ना है, जिससे ÷हर खेत को पानी÷ का संकल्प पूरा हो सके। इस योजना के अंतर्गत सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली जैसे ड्रिप एवं स्प्रिंकलर इरिगेशन को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे पानी की बचत के साथ-साथ फसलों की उत्पादकता में भी वृद्धि हो रही है।

इसी योजना का लाभ उठाते हुए ग्राम रेहड़ा के कृषक सेवाराम कहार ने ड्रिप इरिगेशन सिस्टम को अपनाया है। पूर्व में सिंचाई की समस्या से जूझ रहे श्री कहार ने योजना के अंतर्गत अनुदान प्राप्त कर ड्रिप इरिगेशन प्रणाली स्थापित की, जिससे अब उन्हें अपने खेतों की सिंचाई सुलभ एवं सुचारू रूप से

ग्राम रेहड़ा के कृषक सेवाराम कहार ने ड्रिप इरिगेशन सिस्टम से सिंचाई समस्या का किया समाधान

करने में सफलता मिली है। श्री कहार बताते हैं कि ड्रिप इरिगेशन से न केवल सिंचाई की सुविधा आसान हुई है, बल्कि पानी की भी पर्याप्त बचत हो रही है। वे इस तकनीक से पूर्ण रूप से संतुष्ट हैं और अन्य किसानों को भी इस योजना का लाभ उठाने की सलाह देते हैं।

प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना के माध्यम से देशभर के लाखों किसानों को लाभ मिल रहा है और यह प्रयास कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मजबूत कदम साबित हो रहा है।

नगर से अतिक्रमण हटाए

नर्मदापुरम। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार जिले में अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध नियमित रूप से सख्त कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में नगर के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की शुरू की गई। कार्यवाही नपा परिषद नर्मदापुरम एवं राजस्व अमले द्वारा संयुक्त रूप से की गई। इसमें पुराना बस स्टैंड, हलवाई चौक, सब्जी मंडी सहित नगर के अन्य प्रमुख स्थानों पर अतिक्रमण हटाए गए। अभियान के तहत जेसीबी मशीनों की मदद से अवैध रूप से किए गए पक्के निर्माणों को ध्वस्त किया। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर अवैध रूप से लगाई गई टपरियाँ एवं गुमटियाँ भी हटाई गईं। प्रशासन द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर किए गए किसी भी प्रकार के अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध नियमित रूप से अभियान चला कर कार्यवाही की जा रही है।

कायस्थ समाज ने सोमलवाड़ा स्थित मंदिर में भगवान चित्रगुप्त का मनाया जन्मोत्सव

भगवान का अभिषेक ,कथा, हवन, आरती, भंडारे के उपरांत भजनंजली द्वारा भगवान को श्रद्धा सुमन अर्पित किए

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

रविवार को गंगा सप्तमी को चित्रगुप्त प्राकट्य दिवस लगभग 200 वर्ष प्राचीन भगवान चित्रगुप्त जी के मंदिर में अखिल भारतीय कायस्थ परिवार समिति द्वारा मनाया गया। भगवान का अभिषेक ,कथा, हवन, आरती, भंडारा के उपरांत समाज की महिलाओं ने भजनंजली द्वारा भगवान को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए । इस अवसर सभी ने एक-दूसरे को चित्रगुप्त जन्मोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कायस्थ समाज के तहसील अध्यक्ष नीलेश श्रीवास्तव ने

सपत्नीक मुख्य यजमान बनकर भगवान की विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। समाज के सभी लोगों ने हवन में आहुति दी इस अवसर पर समाज के संरक्षक विनय खरे ,वीरेंद्र श्रीवास्तव ,लालबहादुर श्रीवास्तव , विपिन खरे ,उमेश गौड़ ,पंकज वर्मा, दीपक गौड़, दीपिका सक्सेना,ज्योति गौड़, गीतांजलि गौड़,दीप्ति वर्मा, अनन्या खरे, ज्योति श्रीवास्तव आदि सभी महिला पुरुष एवं बच्चों ने बढ़ चढ़कर कार्यक्रम में उपस्थिति दी।

श्री हनुमान धाम प्रांगण में श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ का शोभायात्रा के साथ शुभारंभ: यज्ञाचार्य पं.अजय दुबे

नर्मदापुरम। माँ नर्मदा के दक्षिण तट स्थित कोठी बाजार में श्री हनुमान धाम प्रांगण में जनकल्याणार्थ किसान समृद्धि श्री लक्ष्मी नारायण माहायज्ञ का आयोजन यज्ञाचार्य पंडित अजय दुबे जी के मार्गदर्शन में भव्य कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुआ। यज्ञ चरणानुराज्ञी पंडित रोहित दुबे ने बताया कि प्रातः प्रायश्चित संकल्प कराकर यजमानों का दशविध स्नान कराकर माँ नर्मदा जी का पूजन करके कन्याओं का पूजन करके मंगल उद्घोष के साथ कलश यात्रा प्रातः पोस्ट ऑफिस घाट से प्रारंभ होकर हनुमान धाम यज्ञशाला प्रांगण पहुंची। यज्ञ के संयोजक पं. अखिलेश दुबे ने बताया कि कलश यात्रा के उपरांत पीयूष शर्मा,अर्जुन मालवीय,हरि सिंह मीणा सहित यज्ञ में वर्णित यजमान परिवार मधुसूदन गौर, निशा गौर,अजय मिश्रा, वंदना मिश्रा,कमलेश मिश्रा,अर्चना मिश्रा, संतोष गौर, रंजना गौर,मनीषा गौर, सौभांगिनी स्वामी, शरद गौर, नरेंद्र राठौर,सुंदरलाल दुबे, गुरु प्रसाद दुबे,सुधा दुबे, अभिलाषा दुबे,अभिजय दुबे, निकुंज दुबे, राजेंद्र प्रसाद दुबे, कमोद सिंह चौहान,शकुन चौहान,वरिष्ठ अधिवक्ता प्रदीप चौबे, रीना चौबे त्रिभुवन सिंह चौहान,सविता चौहान द्वारा पंचांग पूजन करके ब्राह्मण देवताओ को वरण में वस्त्र आसन माला गोमुखी एवं स्वर्ण दान कर मंडप प्रवेश किया गया। सोमवार 5 मई 2025 को मत्रों के द्वारा अग्नि प्रकट करके हवन प्रारंभ होगा एवं शाम को वेदांती स्वामी चंद्रशेखरानंद गिरी महाराज के सानिध्य एवं महंत अनंत वन गिरी महाराज द्वारा शाम 6 से रात्रि 8 बजे तक यज्ञ के महत्व पर प्रवचन दिया जाएगा।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण में पहुंच रहे युवा और बच्चे

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा विकासखंड में खेलों का निशुल्क प्रशिक्षण कराया जा रहा है। विकासखंड की ब्लॉक समन्वयक नूरजहां बानो मंसूरी द्वारा बताया गया कि विकासखंड में दो खेलों का प्रशिक्षण निशुल्क लगाया जा रहा है जिसमें ताइक्वांडो का प्रशिक्षण हेमंत विश्वकर्मा द्वारा पंचमुखी हनुमान मंदिर एसजीएस कॉलेज के पीछे एवं एथलेटिक्स का प्रशिक्षण विजय शर्मा द्वारा डॉल्फिन के ग्राउंड में ग्रीष्म कालीन खेल प्रशिक्षण शिविर लगाया जा रहा है ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में युवाओं के शारीरिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास की दिशा में एक सार्थक पहल है। यह शिविर केवल खेल सिखाने का माध्यम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को एक सजग, अनुशासित और सक्षम नागरिक के रूप में तैयार करने का अवसर है।

मेट्रो एंकर पाराशरी को पुनर्जीवित करने उद्गम स्थल से पदयात्रा

कलेक्टर सहित कई विभागीय अधिकारियों ने पांच किलोमीटर चलकर देखा नदी का बहाव क्षेत्र

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

पाराशरी नदी को पुनर्जीवित करने के लिए रविवार को पाराशरी के उद्गम स्थल ग्राम हिन्नोदा चक्क से कलेक्टर अंशुल गुप्ता, वन मंडलाधिकारी हेमंत यादव, जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया,एसडीएम विजय राय, नगरपालिका, पंचतत्व संरक्षण समिति के सदस्यों के साथ साथ गणमान्य नागरिकों वन विभाग , ग्रामीण विकास विभाग, राजस्व विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों सहित ग्रामीणों ने करीब 5 किलोमीटर की पदयात्रा की। इस

पदयात्रा में मौके की स्थितियों को देखा परखा और जाना गया। पाराशरी नदी के पुर्नजीविन एवं संवर्धन के लिए क्या-क्या कार्य किए जा सकते हैं इस पर विचार विमर्श हुआ इस संबंध में एक विस्तृत कार्ययोजना बनाने के निर्देश कलेक्टर महोदय द्वारा दिए गए.पौधारोपण सहित अन्य बिंदुओं पर विचार कर ग्रामीणों के साथ मिलकर क्रियान्वयन करने के निर्देश भी सभी संबंधित विभागों को दिए गए हैं। सभी अधिकारियों ने नदी के उद्गम स्थल हिन्नौदा चक्क से मंगरई बीरान से पवई परसौरा मेढ तक किनारे किनारे चलकर ड्रोन कैमरे ओर कैमरे से फोटोग्राफ कराए ताकि बारिश के पहले उसकी पूरी योजना बनकर क्रियान्वयन हो सके कलेक्टर गुप्ता ने कहा कि नदी के किनारे आस पास सभी ग्रामीणों से बैठ बात कर नदी को जीवित करने ओर पौधरोपण का कार्य भी उन्हीं को सौंपना है। इस अवसर पर वनमण्डलाधिकारी हेमंत यादव ने कहा कि पाराशरी को यदि पुनः पुराने स्वरूप में लौटाना है तो समाज को आगे आना होगा। बिना समाज के सक्रिय सहयोग के बिना यह कार्य संभव नहीं है।

नगर पालिका प्रशासन ने बारिश पूर्व बाजार क्षेत्र में चैंबर्स तोड़ चलाई जेसीबी,निकाला टनों से कचरा

नर्मदापुरम। नगरपालिका द्वारा बारिश पूर्व नगर के बड़े नाले नालियों की सफाई कार्य युद्धस्तर पर प्रारंभ कर दिया गया है। सफाई अभियान में बाजार क्षेत्र में स्थित चैंबर्स को तोड़े गए, साथ ही उसमें जमीं गाद को निकालकर बाहर किया गया। बाजार क्षेत्र में चल रहे सफाई अभियान की व्यापारियों द्वारा प्रशंसा की जा रही हैं। अवगत हो कि बारिश के दिनों में बाजार क्षेत्र में जल भराव के हालात निर्मित हो जाते हैं, जो कि एक चुनौती होगी। स्वच्छता उपनिरीक्षक संजय लुटारे ने बताया कि नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर बाजार क्षेत्र में युद्ध स्तर सफाई अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें गुरूवार और शुक्रवार को चैंबर्स को जेसीबी की मदद से तोड़कर हटाया गया है। भारी मात्रा में कचरा, पालिथिन, प्लास्टिक के साथ ही ईंट पत्थर भी निकले हैं। श्री लुटारे ने बताया कि हलवाई चौक से लेकर लेंडिया बाजार मटन मार्केट तक यह विशेष सफाई अभियान चल रहा है।

आर्य समाज के संतों ने की पहलगाम घटना की निंदा, कड़ी कार्रवाई की मांग

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

पहलगाम में आतंकियों ने हिंदुओं पर गोलियां वर्षा कर उनकी निर्मल हत्या की इस घटना को लेकर पूरे देश में आक्रोश है और सभी तरफ से कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई इसी तरह आर्य समाज के संतों ने भी इस घटना की निंदा की है और घटना में शामिल और आतंकवादियों और पाकिस्तान पर कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है। नगर में पधारे आर्य समाज के संतों ने कहा कि आर्य समाज इस घटना की घोर भर्त्सना करता है। हथियारों की लड़ाई के सामने सनातन संस्कृति को बचाने के लिए आर्य समाज वैचारिक लड़ाई लड़ रहा है। आर्य समाज की वैचारिक लड़ाई ही सनातन संस्कृति की नैया को पार लगा सकती है। देश में गुलामी के काल में आर्य समाज की स्थापना कर महर्षि दयानंद सरस्वती के द्वारा स्वाधीनता का बिगुल फूंका गया, उनके द्वारा सत्यार्थ प्रकाश नामक अमर ग्रंथ लिखकर सनातन

संस्कृति को बचाने का संदेश दिया गया है।, आर्य समाज के स्थापना के 150 वर्ष के कार्यकाल में अनेक आर्य संन्यासियों ने सनातन संस्कृति को बचाने के लिए अपना बलिदान दिया है। यह विचार आर्य समाज के क्रांतिकारी सन्यासी स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने पाटीदार भवन में आयोजित की गई वैचारिक संगोष्ठी में व्यक्त किए।

राष्ट्र जागरण हेतु निकले आर्य सन्यासी स्वामी सच्चिदानंद महाराज का विदिशा जिले के सिरोंज में पदार्पण हुआ है। स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने इस मौके पर व्याख्यान देते हुए कहा कि आर्य समाज ने हमेशा धर्म संस्कृति को बचाने के लिए विधर्मियों से लोहा लिया है। धर्म की रक्षा के लिए निरंतर वैचारिक लड़ाई लड़ रहे आर्य समाज के प्रसिद्ध विद्वान स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती, पंडित लेखराम, महाशय राजपाल की हत्या विधर्मियों के द्वारा की गई। हिंदुओं को आप डरना नहीं चाहिए, जितना हम डरेंगे उतना ही विधर्मी हावी होते जाएंगे। स्वामी जी ने कहा कि डर-डर कर जीने से मर जाना अच्छा है। हिंदू सनातन संस्कृति का वजूद मिटाने के लिए चारों तरफ से हमले किए जा रहे हैं। अब भी हिंदू समाज नही जागा तो इस दुनिया के किसी कोने में जगह नहीं मिलेगी। सनातन धर्मालंबियों अपने आत्म गौरव को बचाने के लिए अब एक साथ उठ खड़े होने का समय आ गया है।

सनातन संस्कृति पर हमला करने वालों पर सभी को एक साथ खड़े होकर मुंह तोड़ जवाब देना होगा ।

चालक की लापरवाही खड़े ट्रक में घुसी पिकअप , मल्सीपुर में सड़क से उतरी कार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिरोंज। रविवार को सड़क दुर्घटना के दो मामले सामने जिसमें एक ट्रक चालक की लापरवाही से हादसा हुआ तो दूसरी घटना में जीप सड़क नीचे उतर गई पिकअप वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गया वहीं कार बच्चों को बचाने के चक्कर सड़क नीचे उतर गई उसमे बैठे लोगों कों भी मामूली चोटे आई है। गनीमत रही कोई बड़ी जनहानि नहीं हो जिस तरह से कार सड़क से नीचे गई है उसको देखते हुए बड़ी घटना भी हो सकती थी । थाने से मिली जानकारी अनुसार आरोन रोड पर घाटी के ऊपर एक ट्रक चालक ने अपने ट्रक में कुछ खराबी होने पर उसको साइड में न लगाकर सड़क पर खड़ा कर दिया उधर जबलपुर से राघोगढ़ इसी रास्ते से जा रहा था तभी सुबह 5 बजे के करीब बीच सड़क पर खड़े ट्रक उसको नजर नहीं आया पीछे से इसकी पिकअप गाड़ी इसमें चली गई उसकी चपेट में आने से वहां गंभीर रूप से घायल हो गया पुलिस ने इसको इलाज के लिए शासकीय राजीव गांधी अस्पताल में भर्ती कराया प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया चालक पर ट्रक को लापरवाही से सड़क पर खड़ा करने और दुर्घटना होने पर मामला दर्ज करके ट्रक को जब्त कर लिया। इसके अलावा पुलिस ड्राइवर को भी पुलिस थाने लेकर आई। ट्रक उत्तर प्रदेश का है इसी तरह मल्सीपुर गांव में बच्चों को बचाने के चक्कर में कर सड़क नीचे उतर गई घन गनीमत रही की इसमें कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ सभी को छोटी-मोटी छोटे आई हैं।

पराशरी नदी में सदा नीर धारा रहे, संवर्धन की कवायद

कलेक्टर ने बासौदा में पराशरी नदी के सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया

कलेक्टर ने उदगम स्थल से पांच किलोमीटर पैदल तक चल कर देखा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने रविवार की प्रातः साढ़े आठ बजे बासौदा में पहुंचकर पाराशरी नदी के सौंदर्यीकरण के जारी कार्यों का जायजा लिया।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता, वन मंडलाधिकारी हेमंत यादव, जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया,एसडीएम विजय राय, पंचतत्व संरक्षण समिति के सदस्यों के साथ साथ गणमान्य नागरिकों स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि,वन विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, राजस्व विभाग सहित अन्य ने आज पाराशरी नदी के उद्गम स्थल हिनौदा चक्क में नदी के बहाव मार्ग को करीब 5 किलोमीटर पैदल चल कर देखा और पाराशरी नदी के पुर्नजीवित संवर्धन के लिए और क्या-क्या कार्य की जा सकते हैं जैसे पौधारोपण सहित अन्य बिंदुओं पर विचार कर क्रियान्वयन करने के

निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री जी की मंशानुरूप और जल गंगा संवर्धन अभियान के निहित बिंदुओं पर जिले में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जिले की सभी बड़ी नदी और उनकी सहायक नदियों में जल धारा का प्रवाह बना रहे। नदियों के पाटों पर हुए अतिक्रमण को हटाएं ताकि नदियों के जल बहाव में कोई अड़चन ना आएं।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि पराशरी नदी अपने पुराने परा वैभव की ख्याति हासिल करें इसके लिए सभी को टीम वर्क की भावनाओं को ध्यान गत रखते हुए कार्य करने होंगे। प्रशासन सभी प्रकार की दिक्कतों को दूर करने के लिए कृत संकल्पित है। बरसात के पहले वो तमाम कार्य कराए जाएंगे जो जल बहाव को प्रभावित करते हैं।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने सभी से आव्हान किया कि अधिक से अधिक संख्या में पौधारोपण करें ताकि जलसंचय होने से नदी धार टूट ना पाए।

वन मंडलाधिकारी श्री हेमंत यादव ने बताया कि पाराशर नदी का उद्गम स्थल समाप्ति की ओर है एवं नदी में चारों तरफ अतिक्रमण करके उसको खत्म कर दिया गया है। ऐसे भ्रमण का मुख्य आश्य है कि ऐसे स्थानों को चिन्हित किया जाए जहां पर नदी को चारों तरफ से समाप्त कर दिया गया है उन स्थानों को पुनः खोला जाए। जिस नदी का जल प्रवाह उद्गम से लगाकर और जहां तक मिलती है वहां तक इसका प्रवाह बिना किसी अवरोध के हो सके। योजना के दूसरे चरण में हम नदी के दोनों तरफ गड्ढे करने जा रहे हैं एवं वर्षा ऋतु में जुलाई में यहां पर पौध रोपण किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत हमने कोशिश की है कि जितनी प्रजातियां लगाई जा रही हैं उनको एक ऐप के माध्यम से डिजिटाइज करें और उसका एक डेटाबेस बनाएं जिससे कि आगामी वर्षों में इस पर नियंत्रण हो सके और इसकी प्रॉपर मॉनिटरिंग हो सके स्थानीय लोगों के द्वारा एवं उनके सहयोग से यह प्रयास किया जा रहा है और आशा है कि आने वाले समय में नदी के पुनरुत्थान के लिए हमारे प्रयास सफल होंगे और नदी को पुनः जीवन मिलेगा।

वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के बीच पहुंचे कलेक्टर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा श्री हरि वृद्धारम में रह रहे वृद्धजन सुबह-सुबह अपने बीच कलेक्टर को पाकर आश्चर्य चकित हो गए। बुजुर्गों का कहना था कि सुबह सुबह 6 बजे कई लोग घूमने जाते हैं ऐसे समय आज हमारे बीच आकर हमें अपने घरों की याद दिला दी।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता आज रविवार की प्रातः श्री हरि वृद्धाश्रम जा पहुंचे थे। उन्होंने यहां निवास कर रहे बुजुर्गों के बीच पहुंचकर उनका हालाचाल जाना और वृद्धाश्रम में दी जा रही सुविधाओं के संबंध में बुजुर्गों से संवाद कर जानकारी भी प्राप्त की। कलेक्टर ने बुजुर्गों को वृद्धाश्रम में सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन कराने तथा उक्त आयोजन में स्वयं उपस्थिति रहने का आश्वासन दिया। कलेक्टर द्वारा बुजुर्गों को इस दौरान मिष्ठान और फल भी वितरित किए गए।

विदिशा के मरीज को एअर एम्बुलेंस से नागपुर भेजा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा जिले के एक मरीज को त्वरित इलाज सुविधाएं शासन स्तर पर कलेक्टर की पहल पर उपलब्ध कराई गई हैं और इलाज हेतु नागपुर शिफ्ट कराया गया है।

ज्ञातव्य हो कि भोपाल के बंसल अस्पताल में इलाज करा रहे मरीज श्री सुरेन्द्र लोधी उम्र 45 वर्ष निवासी मानोरा, तहसील ग्यारसपुर के रहने वाले हैं जो फेफड़ों और मस्तिष्क की गम्भीर बीमारी से पीड़ित हैं। तीन मई को प्राप्त आवेदन अनुसार इनको शासन के द्वारा एअर एम्बुलेंस से नागपुर भेजा गया है।

विदिशा जिले के पहले मरीज हैं जिन्हें कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी विदिशा एवं उनकी टीम द्वारा अवकाश दिवस में भी कार्य करते हुए संबंधित मरीज को उपचार हेतु एअर एम्बुलेंस की सेवा उपलब्ध कराकर नागपुर भेजा गया है।

सिरोंज एसडीएम ने बीएलबीसी की बैठक कर ऋण योजनाओं में लक्ष्य प्राप्ति के दिए निर्देश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विकासखड में बीएलबीसी की बैठक का आयोजन सिरोंज एसडीएम हर्षल चौधरी की अध्यक्षता मे एसडीएम कार्यालय में किया गया। उक्त बैठक में लीड बैंक ऑफिसर बीएस बघेल सहित समस्त बैंक शाखाओं के शाखा प्रबंधक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक मे एसडीएम श्री चौधरी ने सभी ऋण योजनाओं के प्रकरण तैयार करने एवं संबंधित बैकों को प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया है ताकि मासिक आधार पर लक्ष्य प्राप्ति की जा सके। उन्होंने पीएमएफएम.ई योजना में सिर्फ आटा चक्की के ही प्रकरण न बनाये जाने बहुत सारी एक्टिविटी जैसे बडी, पापड, आचार, दलिया, रवा, मेंदा आदि अलग-अलग ग्रामों में प्रकरण बनाने हेतु उद्यानिकी विभाग को निर्देशित किया है। उन्होंने एसआरएलएम विभाग को निर्देशित किया है कि तहसील कार्यालय में स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित कैंटीन खोली जायें ताकि, आजिविका को बढावा दिया जा सके।

एसडीएम श्री चौधरी ने सभी सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं एवं अटल पेंशन योजना के अधिकाधिक पंजीयन हेतु महिला एवं बाल विकास के बासौदा के अधिकारी को कैम्प शेड्यूल बनाने एवं बैकों से कियोस्क ऑपरेटर को कैम्प में जोडने हेतु निर्देशित किया है।

बासौदा विकासखंड में बीएलबीसी की बैठक का आयोजन हुआ

विदिशा। बासौदा विकासखंड मे बीएलबीसी की बैठक का आयोजन बासौदा एसडीएम श्री विजय राय की अध्यक्षता में पटवारी कक्ष में हुआ। बैठक में जनपद सीईओ श्रीमती तपश्या जैन, लीड बैंक ऑफिसर श्री बीएस बघेल सहित समस्त बैंक शाखाओं के शाखा प्रबंधक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। एसडीएम श्री विजय राय नज सभी ऋण योजनाओं के प्रकरण तैयार करने एवं संबंधित बैकों को प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया ताकि मासिक आधार पर लक्ष्य प्राप्ति की जा सके।

प्राचीन बावड़ी की साफ-सफाई की गई

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा चयनित नवांकुर संस्था श्री कमल एजुकेशन एंड सोशल वेलफेयर सोसायटी घोसुआ द्वारा ग्यारसपुर बाजरा मठ के समीप स्थित प्राचीन हराऊ बावड़ी में सफाई कर श्रमदान किया एवं जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बैठक संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें जल के सदुपयोग के बारे में चर्चा की गई तथा सभी को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। बैठक में नवांकुर संस्था प्रमुख श्री नीलेश भार्गव ने जल के महत्व एवं भविष्य में होने वाली जल की कमी के बारे में अवगत कराया। इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक श्री स्वदेश आचार्य, नवांकुर संस्था मधिपुर से श्री शैलेंद्र रघुवंशी, नवांकुर संस्था मानौरा से श्रघ महेश बैरागी, नवांकुर संस्था गुंजारी से श्री राजपाल चौहान और प्रस्फुटन समिति के सदस्य, ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना शाहजहाँनाबाद जिला - भोपाल

क्रमांक/था.प्र./शाह.बाद/भो./गुम इं.क्र.-13/25 दिनांक 01.05.2025

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि थाना शाहजहाँनाबाद, भोपाल के गुम इंसान क्र. गुम इंसान क्र. 13/25 मे गुमशुदा दीपक सिलावट पिता गुलाब सिंह उम्र 28 साल निवासी किराये का मकान मुर्गी बाजार थाना शाह.बाद भोपाल स्थाई पता ग्राम पडरिया थाना बिल्खिरिया जिला भोपाल काम पर गये थे जो घर नही आये जिनका हुलिया रंग-सांवला, चेहरा-लंबा, कद 05 फीट 02 इंच, बदन - हष्ठ पुष्ठ, पहनावा - काला पेन्ट, सफेद पीली लाइनिंग टीशर्ट, सफेद रंग के जूते, दाडी बढी है पहचान चिन्ह- सीधे हाथ पर अंग्रेजी में MOM गुदा हुआ है यदि इस गुमशुदा के संबंध मे कोई जानकारी हो तो थाना प्रभारी थाना शाह.बाद, भोपाल के संपर्क नंबर 9479990573, एवं थाने के संपर्क नंबर 0755-2443250 तथा जाँच अधिकारी के मोबाईल नंबर 7049105167 पर सूचित करने का कष्ट करें।

थाना प्रभारी

G-12336/25 "स्वच्छता ही सेवा" थाना शाहजहाँनाबाद भोपाल

आईपीएल 2025 का सफर पहुंचा सबसे रोमांचक मोड पर, प्लेऑफ में पहुंचने जोर लगा रही टीमें

इन 5 युवा गेंदबाजों की टीम इंडिया में एंट्री कंफर्म! विवादों में भी रहा है एक नाम

नई दिल्ली , एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) का सफर अब सबसे रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है। सभी टीमें प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए प्रयास कर रही हैं। इस सीजन कई गेंदबाजों ने अपने प्रदर्शन से लोहा मनवाया है। भारतीय क्रिकेट में युवा गेंदबाजों की एक नई पीढ़ी उभर रही है, जो घरेलू टूर्नामेंट और आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर रही है। आइए आपको ऐसे 5 गेंदबाजों के बारे में बताते हैं जो जल्द ही भारतीय टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में पदार्पण कर सकते हैं।

विघ्नेश पुथुर (मुंबई इंडियंस)- विघ्नेश पुथुर भले ही ज्यादा मैच नहीं खेले हों, लेकिन उन्होंने जितने भी मौके मिले, उनमें अपनी प्रतिभा साबित कर दी है। 24 वर्षीय यह केरल का बाएं हाथ का चाइनामैन स्पिनर है, जो स्वाभाविक फ्लाइट और डिप के साथ गेंदबाजी करता है। वह बल्लेबाजों को लगातार अटैकिंग लेंथ पर गेंद डालकर चुनौती देता है। हालांकि पुथुर को अपनी विविधताओं में अभी सुधार की जरूरत है। अब तक खेले गए 5 मैचों में उन्होंने 6 विकेट लिए हैं, औसत 18।16 रहा है। भले ही उनकी इकॉनमी थोड़ी अधिक है, लेकिन उन्होंने अहम मौकों पर विकेट निकाले हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4 ओवर में 3 विकेट लेकर 32 रन देना रहा।

अश्वनी कुमार (मुंबई इंडियंस)

मुंबई इंडियंस की ओर से एक और युवा खिलाड़ी ने डेब्यू पर सभी को चौंकाया - वह हैं 23 वर्षीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 4 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया। अश्वनी के पास अच्छी गति, मूवमेंट और कुछ विविधताएं हैं, हालांकि वे अब भी निरंतरता की तलाश में हैं। मोहाली में जन्मे इस तेज गेंदबाज ने 3 मैचों में अब तक 6 विकेट लिए हैं, उनका औसत 17.50 है। इकॉनमी थोड़ी महंगी रही है, लेकिन विकेट निकालने की उनकी क्षमता और भारत में बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों की कमी उन्हें चयनकर्ताओं की नजर में ला सकती है।

3। विप्रज निगम (दिल्ली कैपिटल्स)

दिल्ली कैपिटल्स की टीम में कई युवा प्रतिभाएं हैं, और उनमें एक हैं उत्तर प्रदेश के लेग स्पिनर विप्रज निगम। केवल 20 वर्ष की उम्र में उन्होंने अपनी लाइन और लेंथ से बल्लेबाजों को गलती करने पर मजबूर किया है। विप्रज ने अब तक 10 मैचों में 9 विकेट लिए हैं, औसत 28।44 रहा है और इकॉनमी 9।48 रन प्रति ओवर है। खास बात यह भी है कि वह निचले क्रम में कुछ उपयोगी रन भी बना सकते हैं, जिससे वे भारतीय टीम के लिए एक ऑलराउंड विकल्प बन सकते हैं।

यश दयाल (आरसीबी)

साल 2023 में यश दयाल का एक मैच बेहद खराब रहा था, लेकिन उन्होंने बीते दो सीज़न में जबरदस्त वापसी की है। यश एक ऐसे गेंदबाज हैं जो अहम ब्रेकथ्रू दिला सकते हैं और दबाव वाले ओवरों में भी गेंदबाजी कर सकते हैं। इस सीजन उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ भी शानदार गेंदबाजी की। आरसीबी के लिए खेले गए 11 मैचों में उन्होंने 10 विकेट लिए हैं, औसत 34.60 है। आईपीएल में उनके पास तीन साल का अनुभव है। यश पहले ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा रह चुके हैं और वे उम्मीद कर रहे होंगे कि उन्हें एक बार फिर मौका मिले।

दिग्वेश राठी (लखनऊ सुपर जायंट्स)

लखनऊ सुपर जायंट्स का यह सीजन भले ही उम्मीद के मुताबिक न रहा हो, लेकिन उन्हें कुछ ऐसे युवा खिलाड़ी जरूर मिले हैं, जो भविष्य में टीम इंडिया के लिए खेलने की काबिलियत रखते हैं। उनमें से एक हैं दिग्वेश सिंह राठी। राठी ने अपने प्रदर्शन से सभी को चौंकाया है। अबतक खेले गए 10 आईपीएल मैच में राठी ने 10 विकेट लिए हैं और सबसे बड़ी बात ये रही है कि उनका औसत बेहद शानदार रहा है। उनकी इस प्रतिभा को देखते हुए उन्हें टी20 टीम में मौका दिया जा सकता है। हालांकि, राठी इस सीजन अपने जश्न के चलते विवादों में भी रहे हैं। उनपर बीसीसीआई ने सख्त एक्शन भी लिया था।

सबालेंका ने गॉफ को हराकर करियर का 20वां खिताब जीता

मैड्रिड। विश्व की नंबर एक महिला खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी कोको गॉफ को सीधे सेटों में हराकर मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपना तीसरा और करियर का 20वां खिताब जीता। सबालेंका ने पहले सेट में जबरदस्त प्रदर्शन किया और काजा मैजिका क्ले कोर्ट पर अमेरिकी खिलाड़ी को 6-3, 7-6 (3) से हराया। सबालेंका ने 2021 और 2023 में मैड्रिड में खिताब जीता था। इस तरह से उन्होंने पेट्रा क्वितोवा के टूर्नामेंट रिकॉर्ड की बराबरी की। ब्रिस्बेन और मियामी के बाद यह सबालेंका का इस वर्ष का तीसरा खिताब भी है। गॉफ अगर इस मुकाबले में जीत हासिल कर लेती तो वह विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच जाती लेकिन सबालेंका के सामने उनकी एक नहीं चली।

आईपीएल में आज सनराइजर्स बनाम हैदराबाद

एसआरएच के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी डीसी

हैदराबाद , एजेंसी

अक्षर पटेल की अगुआई वाली दिल्ली कैपिटल्स की टीम घरेलू मैदान पर कमजोर प्रदर्शन से उबरकर सोमवार को यहां निचले हाफ में चल रही सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत की राह पर लौटने के इरादे से उतरेगी।दिल्ली कैपिटल्स को पिछले मैच में अपने घरेलू मैदान अरुण जेटली स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 14 हार से हार का सामना करना पड़ा लेकिन टीम ने विरोधियों के मैदान पर बेहतर प्रदर्शन की बदौलत प्ले ऑफ में जगह बनाने की उम्मीद जीवंत रखी है। दिल्ली की टीम पैट कमिस की टीम के खिलाफ भी उसके मैदान पर जीत दर्ज करना चाहेगी। अक्षर पटेल चोट से जूझ रह हैं। वह 30 अप्रैल को नाइट राइडर्स के खिलाफ क्षेत्ररक्षण करते समय बाएं हाथ में चोट लगने के बाद मैदान से चले गए थे। देखना यह होगा कि वह चोट से उबरकर सनराइजर्स के खिलाफ खेलते हैं या नहीं। दिल्ली कैपिटल्स की टीम अभी 10 मैच में 12 अंक के साथ पांचवें स्थान पर है। अक्षर ने अब तक शानदार प्रदर्शन किया और अगर वह नहीं खेलते या मैच में उनकी भूमिका सीमित होती है तो इससे टीम के प्रदर्शन पर असर पड़ेगा। टीम को अपने पिछले दो मैच में घरेलू मैदान पर नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली ने अपने पिछले पांच में से तीन मुकाबले गंवाए हैं और टीम लीग के इस महत्वपूर्ण चरण में और झटकों से बचने की कोशिश करेगी।नाइट राइडर्स के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज फाफ डु प्लेसी ने फॉर्म में वापसी करते हुए अर्धशतक जड़ा था लेकिन धीमी पिच से सामंजस्य बैठाना उनके लिए चिंता का सबब बना हुआ है। लोकेश राहुल नौ मैच में 371 रन के साथ दिल्ली के शीर्ष रन स्कोरर है लेकिन वह घरेलू मैदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 39 गेंद में 41 रन ही बना पाए। नाइट राइडर्स के खिलाफ वह सात रन बनाकर सुनील नारायण के स्टीक श्रो का शिकार बने।

टीम इस प्रकार हैं-

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिस (कप्तान), इशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायडे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, स्मरण रविचंद्रन, हेनरिक क्लासेन, ट्रेविस हेड, हर्षल पटेल, कामिंदु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, सिमरजीत सिह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, और इशान मलिंगा।

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), जेक फ्रेजर-मैकगर्क, अभिषेक पोरेल, करुण नायर, लोकेश राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, समीर रिजवी, दर्शन नालकंडे, डोनोवन फरेरा, त्रिपुराना विजय, दुष्मंता चमीरा, फाफ डु प्लेसी, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, मनवंत कुमार एल और माधव तिवारी।

समय- मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा

केदारलिंग उचागांवे को पुरुषों की एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक

भोपाल। सेना के निशानेबाज केदारलिंग बालकृष्ण उचागांवे ने शनिवार को यहां 23वीं कुमार सुरेंद्र सिंह मेमोरियल (केएसएसएम) निशानेबाजी चैंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि उनके साथी अजय कुमार अंबावत ने रजत पदक हासिल किया। नौसेना के उज्जवल मलिक ने कांस्य पदक जीता। केदारलिंग और अजय दोनों 24 शॉट के फ़ाइनल के अंतिम दो शॉट से पहले 223.6 से बराबरी पर थे। अजय ने हालांकि अपने 23वें शॉट में 10.9 का परफेक्ट स्कोर बनाया जिससे वह 0.7 से आगे हो गए। अजय ने अंतिम निशाने में केवल 9.6 अंक बनाए जबकि केदारलिंग ने दबाव में 10.6 (244.4) के मजबूत स्कोर के साथ 0.3 से जीत हासिल की। पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता सरबजोत सिह ने 579 का स्कोर बनाकर 18वां स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा का जूनियर वर्ग का खिताब चंडीगढ़ के धैर्य पराशर ने जीता जिन्होंने फाइनल में 241.6 का स्कोर किया।

रियान ने टी20 में बनाया सर्वोच्च स्कोर, मोईन ने डाला आईपीएल 2025 का दूसरा महंगा ओवर

कोलकाता , एजेंसी

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी की। रियान ने 95 रन बनाए जो टी20 क्रिकेट में उनका सर्वोच्च स्कोर है। रियान की शानदार पारी के बावजूद राजस्थान जीत हासिल नहीं कर सकी और उसे रोमांचक मुकाबले में एक रन से हार का सामना करना पड़ा। रियान शतक पूरा नहीं कर सके और 95 रन बनाकर पवेलियन लौटे। रियान ने इस दौरान छह गेंदों पर लगातार छह छक्के लगाए। रियान ने एक ओवर में छह छक्के नहीं लगाए, लेकिन लगातार छह छक्के लगाने में सफल रहे। रियान ने 13वां ओवर डालने आए स्पिनर मोईन अली को निशाना बनाया। मोईन के इस ओवर की पहली गेंद पर शिमरॉन हेटमायर ने एक रन लिया और स्ट्राइक रियान के पास आई। रियान ने लगातार चार गेंदों पर छक्का लगाया और पांचवीं गेंद वाइड हुई। रियान ने मोईन के ओवर की अंतिम गेंद पर भी छक्का जड़ा। इसके बाद 14वां ओवर डालने वरुण चक्रवर्ती आए और पहली गेंद पर हेटमायर एक रन लिया।

महंगे साबित हुए मोईन

केकेआर ने राजस्थान के खिलाफ मुकाबले के लिए ऑलराउंडर मोईन अली को प्लेइंग-11 में शामिल किया था। मोईन ने मैच में दो विकेट लिए, लेकिन वह महंगे भी साबित हुए। मोईन के ओवर से 32 रन आए जो इस आईपीएल सीजन का दूसरा सबसे महंगा ओवर है। आईपीएल के मौजूदा सीजन में सबसे महंगा ओवर डालने का अनचाहा रिकॉर्ड चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खलील अहमद के नाम है जिन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ एक ओवर में 33 रन लुटाए।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

फवाद खान की अबीर गुलाल को मिला प्रकाश राज का सपोर्ट, बोले- रिलीज करो

इंडियन एक्टर प्रकाश राज कई मौकों पर अपने बेबाक बयान के कारण सुर्खियों में आए हैं. उनके ट्वीट्स और वीडियोज आए दिन सोशल मीडिया पर वायरल होते हैं। अब एक्टर का एक और बयान है जो हर तरफ सुर्खियां बटोर रहा है। प्रकाश राज ने इंडिया में सेंसरशिप और पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान की बैन हुई फिल्म अबीर गुलाल पर अपनी बात रखी है। प्रकाश राज ने बातचीत में फिल्मों पर लगने वाले बैन पर अपनी राय रखी है। उनसे जब फवाद खान की फिल्म अबीर गुलाल पर बैन लगने से जुड़ा सवाल किया गया। तब एक्टर ने कहा, मैं किसी भी फिल्म को बैन करने के समर्थन में नहीं हूं, चाहे वो कोई प्रोपेगैंडा फिल्म हो या किसी और तरह की फिल्म, आप उसे रिलीज करो। आप लोगों को तय करने दो, ये उनका अधिकार है। आप किसी फिल्म को बैन नहीं कर सकते जबतक उस फिल्म में पोर्नोग्राफी या चाइल्ड एब्यूज जैसी चीजें नहीं दिखाई जा रहीं। प्रकाश राज ने आगे दीपिका पादुकोण की फिल्म पठान के गाने बेशर्म रंग विवाद पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, आज के समय में कोई भी किसी बात से आहत हो सकता है। दीपिका पादुकोण की फिल्म के एक गाने में सिर्फ उनकी ड्रेस के कलर पर लोग भड़क गए। कहने लगे कि मैं दीपिका पादुकोण की नाक काट दूंगा, मैं उसका सिर काट दूंगा

फिल्म इंडस्ट्री की रचनात्मकता को लेकर नवाजुद्दीन सिद्दीकी का तीखा हमला, कहा- जो चोर होते हैं...

बॉलीवुड के दमदार अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने हाल ही में इंडस्ट्री की रचनात्मकता को लेकर तीखा हमला बोला है। एक इंटरव्यू में उन्होंने बॉलीवुड के पुराने फॉर्मूलों को दोहराने और दूसरों की नकल करने की आदत को जमकर लताड़ा। उनका मानना है कि बॉलीवुड में नए विचारों की कमी और असुरक्षा की भावना ने क्रिएटिविटी को पीछे धकेल दिया है। पूजा तलवार के यूट्यूब चैनल पर दिए इंटरव्यू में नवाज ने बॉलीवुड की कमियों पर बेबाकी से बात की। उन्होंने कहा, हमारी इंडस्ट्री में एक ही चीज को पांच साल तक घसीटा जाता है। जब लोग बोर हो जाते हैं, तभी उसे छोड़ा जाता है। असल में असुरक्षा बहुत बढ़ गई है। लोग सोचते हैं कि एक फॉर्मूला चल रहा है, तो उसे बार-बार दोहराओ। और तो और अब तो दो, तीन और चार भाग बनने लगे हैं। जैसे पैसों की कंगाली होती है वैसे ही यह रचनात्मक कंगाली है।

इंडस्ट्री के लोगों ने चोरी को बनाया आम- नवाज ने बॉलीवुड में दूसरों से कॉपी करने की आदत पर भी करारा तंज कसा। उन्होंने कहा, ÷जो चोर हैं वो भला क्रिएटिव कैसे हो सकते हैं? हमने साउथ से चुराया, कभी इधर से, कभी उधर से। कुछ हिट कल्ट फिल्मों के सीन भी चोरी किए गए हैं। इसे इतना सामान्य कर दिया गया है कि लोग कहते हैं कि चोरी है तो क्या हुआ?

अनुराग के इंडस्ट्री छोड़ने को लेकर कही ये बात

उन्होंने कहा कि पहले तो लोग विदेशी फिल्मों का वीडियो लाकर कहते थे कि ऐसी फिल्म बनानी है। फिर उसे हू-ब-हू कॉपी कर लिया जाता था। नवाज ने सवाल उठाया कि ऐसी इंडस्ट्री से आप क्या उम्मीद कर सकते हैं? उनके मुताबिक इस माहौल में न तो अच्छे एक्टर सामने आ पाते हैं और न ही बेहतर डायरेक्टर। उन्होंने डायरेक्टर अनुराग कश्यप का जिक्र करते हुए कहा कि अच्छा काम करने वाले लोग इंडस्ट्री छोड़ रहे हैं।

कॉस्तॉव में नवाज ने की दमदार अदाकारी

इन तमाम चर्चाओं के बीच नवाज अपनी नई ओटीटी फिल्म कॉस्तॉव के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में इस फिल्म ने ओटीटी पर दस्तक दी है। इस फिल्म में वह कॉस्तॉव फर्नांडीज नाम के एक गोवा कस्टम्स ऑफिसर की भूमिका में हैं, जो सोने की तस्करी के बड़े रैकेट को खत्म करने के लिए सब कुछ दांव पर लगा देता है।

मेट्रो बाजार

गर्मियों की शुरूआत के साथ पेट्रोल-डीजल की मांग बढ़ी

नई दिल्ली। देश में डीजल की मांग में अप्रैल में करीब चार प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कई माह की नकारात्मक या कम वृद्धि के बाद अप्रैल में गिंमयों की शुरुआत के साथ डीजल की खपत बढ़ी है। डीजल देश में सबसे ज्यादा उपभोग किया जाने वाला ईंधन है। यह देश के परिवहन क्षेत्र और ग्रामीण कृषि अर्थव्यवस्था की 'जीवनरेखा' है। 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में डीजल की मांग में सिर्फ दो प्रतिशत की वृद्धि देखी गई थी और इससे पिछले वित्त वर्ष में डीजल की खपत में कोई वृद्धि नहीं हुई थी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में डीजल की खपत बढ़कर 82.3 लाख टन हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि से लगभग चार प्रतिशत अधिक है। अप्रैल, 2023 की तुलना में खपत 5.3 प्रतिशत और कोविड-पूर्व की अवधि यानी 2019 की तुलना में इसमें 10.45 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गिंमयों की शुरुआत से ग्रामीण क्षेत्रों में सिचाई के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में एयर-कंडीशनिग की मांग बढ़ जाती है। अप्रैल, 2025 में डीजल की मांग में चार प्रतिशत की वृद्धि इस महीने के लिए दर्ज की गई सबसे ऊंची मात्रा और किसी भी महीने में अबतक की दूसरी सबसे अधिक मात्रा है। उद्योग के अधिकारियों ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में डीजल की मांग में सुस्ती रही है, जिससे इसके भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। यात्री वाहनों में अब पेट्रोल, सीएनजी और बिजली का इस्तेमाल बढ़ रहा है। इसके बावजूद देश में कुल पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में डीजल का हिस्सा करीब 38 प्रतिशत है।

कंपनी ने जियो पर लगा दिए आरोप, सैमसंग को 4400 करोड़ का टैक्स भरने का आदेश

नई दिल्ली। सैमसंग कंपनी को भारत में एक बड़ी मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। भारत सरकार ने सैमसंग पर 520 मिलियन डॉलर (करीब 4400 करोड़ रुपये) का टैक्स भरने का आदेश दिया है। सैमसंग कंपनी इस आदेश के खिलाफ लड़ रही है। कंपनी पर आरोप है कि उसने बाहर से मंगवाए गए नेटवर्किंग उपकरणों को गलत तरीके से दिखाया।सैमसंग का कहना है कि भारतीय अधिकारियों को इस बारे में पहले से पता था। सैमसंग का कहना है कि रिलायंस जियो ने भी ऐसे ही उपकरण बिना टैक्स दिए मंगवाए थे। सैमसंग का आरोप है कि रिलायंस ने उन्हें टैक्स के बारे में पहले से मिली चेतावनी के बारे में नहीं बताया। टैक्स और जुमार्ने को मिलाकर सैमसंग को कुल 601 मिलियन डॉलर चुकाने पड़ सकते हैं।

सैमसंग ने की अपील

सैमसंग ने एक भारतीय ट्रिब्यूनल से अपील की है कि 520 मिलियन डॉलर के टैक्स की मांग को रद्द कर दिया जाए। सैमसंग का कहना है कि उसने जो उपकरण मंगवाए, उन्हें गलत तरीके से दिखाया गया। लेकिन अधिकारियों को इस बारे में पता था, क्योंकि रिलायंस भी सालों से ऐसे ही उपकरण मंगवा रही थी। सैमसंग दूसरी बड़ी विदेशी कंपनी है जिसने हाल ही में भारत सरकार के टैक्स की मांग को चुनौती दी है। इससे पहले, फॉक्सवैगन ने भी सरकार पर मुकदमा किया था। फॉक्सवैगन को 1.4 बिलियन डॉलर का टैक्स भरने को कहा गया था, क्योंकि उसने भी अपने उपकरणों को गलत तरीके से दिखाया था।

ईटखेड़ी बायपास चौरसिया ढाबे की घटना, दो नामजद समेत सात ढाबाकर्मियों पर प्रकरण दर्ज

ढाबे पर डिनर करने गए पुलिसकर्मियों के साथ की गई मारपीट, वर्दी भी फाड़ी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ईटखेड़ी बायपास चौराहा स्थित चौरसिया ढाबे पर खाना खाने गए निशातपुरा के दो पुलिसकर्मियों के साथ जमकर मारपीट की गई। घटना का कारण टेबिल पर बैठने को लेकर होने वाला विवाद बताया जा रहा है। आधा दर्जन से अधिक ढाबा कर्मचारियों ने लात-मुक्कों से मारपीट कर पुलिसकर्मियों की वर्दी भी फाड़ दी। दोनों पुलिसकर्मियों के चेहरे पर चोटें आई हैं। निशातपुरा पुलिस ने दो नामजद समेत सात लोगों के खिलाफ मारपीट, बलवा समेत अन्य धाराओं के तहत जीरो पर प्रकरण दर्ज कर डायरी ईटखेड़ी पुलिस को भेजी है। ईटखेड़ी पुलिस ने असल पर प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। ईटखेड़ी पुलिस के मुताबिक निशातपुरा थाने में पदस्थ दो आरक्षक मोहित राठौर और महेश दांगी शनिवार रात ईटखेड़ी बायपास स्थित चौरसिया ढाबे पर खाना खाने गए थे। वहां टेबिल पर बैठने को लेकर उनका ढाबा कर्मचारियों से विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर राहुल व मोहित समेत आधा दर्जन से अधिक ढाबा कर्मचारियों ने आरक्षकों के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने लात-मुक्कों से आरक्षकों को पीटा और उनकी वर्दी फाड़ दी। मारपीट करने के बाद आरोपी भाग खड़े हुए। सूचना मिलते ही ईटखेड़ी पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी राहुल ढाबे का ठेके पर संचालन करता है। प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बदमाश को पकड़ने गए आरक्षक से मारपीट – अशोका गार्डन पुलिस के मुताबिक कालू बच्चा उर्फ राजेन्द्र विश्वकर्मा नामक बदमाश की पुलिस को धारा 308 के एक मामले में तलाश थी। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर तीन हजार रुपए का इनाम भी घोषित कर रखा था। शनिवार रात थाने में पदस्थ आरक्षक अविनाश को आरोपी कालू बच्चा इलाके में घूमता दिख गया। लिहाजा आरक्षक ने उसे पकड़ने का प्रयास किया। आरोपी ने पुलिसकर्मी के साथ झूमाझटकी और मारपीट कर दी। बावजूद इसके आरक्षक अविनाश ने उसे भागने नहीं दिया और जल्द ही काबू में कर हिरासत में ले लिया। झूमाझटकी में आरक्षक के दाहिने हाथ में चोट आई है। पुलिस ने इस मामले में कोई प्रकरण दर्ज नहीं किया है।

जीआरपी जवान को पीटकर वर्दी फाड़ी थी – विगत 26-27 अप्रैल की दरमियानी रात रानी कमलापति रेलवे स्टेशन परिसर में कुछ लोग एक कार में बैठकर शराब पी रहे थे। जिन्हें जीआरपी पुलिसकर्मी दौलत खान ने शराब पीने से मना किया। श्राब पीने वाले बदमाशों ने पुलिसकर्मी से विवाद शुरू कर दिया और नेम प्लेट पर नाम पढ़कर धार्मिक टिप्पणी करते हुए मारपीट की दी। आरोपियों ने पुलिसकर्मी की वर्दी भी तार-तार कर दी थी। पुलिसकर्मी से हुई मारपीट का वीडियो भी वायरल हुआ था। बाद में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर उनका जुलूस निकाला था।

बाइक आपस में टकराई, पिता पुत्र की मौत

भोपाल। नजीराबाद थाना क्षेत्र स्थित गांव सिंघोड़ा में रविवार शाम दो बाइक आपस में टकरा गई। इस हादसे में एक बाइक पर सवार पिता पुत्र की मौत हो गई, जबकि दूसरी बाइक पर सवार दो युवक घायल हुए है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिए है। पुलिस हादसे की जांच कर रही है। नजीराबाद के सिंघोडा में हादसा, दो घायल भी पुलिस के अनुसार जितेंद्र अहिरवार पिता गोवर्धन अहिरवार (18) गांव पीपखेड़ी नजीराबाद में रहता था और खेती किसानी करता था। शाम वह अपने पिता गोवर्धन के साथ रिश्तेदारी में जाने के लिए बाइक से निकला था। पिता-पुत्र गांव सिंघोड़ा गांव के पास मुख्य सड़क पर पहुंचे ही थे कि सामने से आ रही बाइक के चालक ने बाइक तेजी और लापरवाही से चलाते हुए टक्कर मार दी। इस हादसे में पिता-पुत्र को गंभीर चोट आई थी। दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैरसिया ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। ओवरस्पीड बना मौत का कारण बताया जाता है कि हादसे के समय दोनों ही बाइक की रफ्तार काफी तेज थी। बाइक टकराने के बाद करीब बीस मीटर के दायरे में घिसटकर गिरी थी। इस हादसे में दूसरी बाइक पर सवार दोनों युवकों को मामूली चोट आई है।

पुरानी रंजिश पर बीयर की बोतल मारकर हम्माल का सिर फोड़ा, हालत गंभीर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित पीएचक्यू तिराहे के पास पुरानी रंजिश के चलते एक युवक ने पड़ोसी पर बीयर की बोतल से हमला कर दिया।

आरोपी ने पीछे से सिर पर बीयर की बोतल मारी। सिर पर मारने से बोतल फूट गई। इसके बाद आरोपी ने फूटी बोतल से पीठ पर भी वार कर दिए। युवक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने हत्या का प्रयास समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक अहीर मोहल्ला जहांगीराबाद निवासी शहजाद खान (45) हम्माली करता है। पड़ोस में रहने वाले सोनू उर्फ राजदीप से उसका पुराना विवाद चल रहा है।

बोतल फूटने के बाद पीठ पर भी किए वार, आरोपी गिरफ्तार

शनिवार रात करीब दस बजे पीएचक्यू तिराहे के पास दोनों का आमना-सामना हो गया। राजदीप पुरानी बात को लेकर शहजाद के साथ गाली-गलौज करने लगा। विवाद बढ़ने पर राजदीप ने पीछे से शहजाद के सिर पर बीयर की बोतल मार दी।

बताया जा रहा है कि आरोपी ने फूटी बोतल से भी शहजाद की पीठ पर वार किए हैं। आसपास मौजूद लोगों ने गंभीर रूप से घायल शहजाद को अस्पताल में भर्ती कराया। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

जबलपुर दमोह स्टेट हाइवे की घटना, ग्रामीणों ने जताया रोष

तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर घर में जा घुसा दो की मौत

दोपहर मेट्रो, तेन्दूखेड़ा/दमोह।

जिले के नोहटा थाना क्षेत्र में जबलपुर दमोह स्टेट हाईवे पर सोमवार सुबह एक बड़ा हादसा सामने आया है, जिसमें एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने घर में जा घुसा, इस दौरान सड़क किनारे खड़े दो लोग भी ट्रक की चपेट में आ गए जिनसे मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इसके अलावा एक ट्राली सहित मकान का भी एक बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। घटना के बाद अफरातफरी का माहौल बन गया और हादसे के चलते स्थानीय लोग भी आक्रोशित हो उठे उनके द्वारा दमोह स्टेट हाईवे को ट्रैक्टर ट्राली की मदद से जाम कर दिया जिससे वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित होने लगी। मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर नोहटा थाना प्रभारी अरविंद सिंह अपने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और हालातो को देखते हुए तेंदूखेड़ा एसडीएम सौरभ गंधर्व सहित पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी हालातो को संभालने के लिए पहुंच गए हैं। घटना में सड़क के किनारे खड़े सड़क हरदुआ निवासी धीरेंद्र 45 वर्ष और रोशन 19 वर्ष ट्रक की चपेट में आ गए जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता तत्काल दिए जाने और घायलों के उपचार की उचित व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए हैं।

ओवरलोड बैट्री ऑटो नाले में पलटा बच्ची समेत आधा दर्जन महिलाएं घायल

अभिरुचि परिसर में एक पार्टी से लौट रही थीं महिलाएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित प्रभात चौराहे के पास ओवरलोड बैट्री ऑटो अनियंत्रित होकर करीब 15 फिट गहरे नाले में पलट गया। हादसे के समय ऑटो में डेढ़ साल की बच्ची और उसकी मां समेत आधा दर्जन महिलाएं सवार थीं। सभी महिलाएं एक पार्टी से लौट रही थीं। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर ऑटो जब्त कर लिया है। पुलिस के मुताबिक अस्सी फिट रोड अशोका गार्डन निवासी रानी जैन (32) गृहणी हैं। विगत 27 अप्रैल की दोपहर करीब साढ़े तीन बजे वह अपनी दोस्त श्वेता जैन, मीनल जैन, मोनिका जैन, स्वाति जैन, आकाक्षा जैन और आकांक्षा की डेढ़ साल की बेटी के साथ अभिरुचि परिसर एक कैफे में पार्टी में गई थीं। वहां से करीब सवा सात बजे अपने घर के लिए बैट्री ऑटो में सवार होकर सभी महिलाएं अशोका गार्डन के लिए जा रही थीं। उसी दौरान प्रभात चौराहा के लगभग 20 फिट पहले नाले के किनारे बैट्री ऑटो के

चालक ने तेजी व लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए ऑटो नाले में पलटा दिया। ऑटो समेत नाले में गिरने से उसमें सवार महिलाएं और डेढ़ साल की बच्ची बुरी तरह जख्मी हो गए। हादसे के बाद वहां मौजूद लोगों ने घायलों को नाले से निकालकर अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। हालत ठीक नहीं होने पर पुलिस बयान दर्ज नहीं कर सकी थी। विगत दो मई को पुलिस ने रानी जैन की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया है। भोपाल। छोला मंदिर इलाके में एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने आटो को टक्कर मार दी, जिससे आटो क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस के मुताबिक आशीष शर्मा (24) गीता नगर भानपुर में रहता है और आटो चलाता है। रविवार की शाम करीब छह बजे वह मालीखेड़ी से आटो लेकर घर की तरफ जा रहा था। भानपुर स्थित बजाज शोरूम के सामने पहुंचा तो एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन के चालक ने उसके आटो में टक्कर मार दी। इस हादसे में चालक को चोट नहीं आई, नहीं लेकिन आटो को भारी नुकसान पहुंचा है।

बस की टक्कर से एसआई की कार हुई क्षतिग्रस्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हनुमानगंज इलाके में एक बस चालक ने महिला एसआई की कार को टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने बस चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार टीला जमालपुरा में रहने वाली अरसिया सिद्दीकी भोपाल पुलिस ने सभ इंस्पेक्टर हैं। कुछ दिनों पहले ही उन्होंने नई कार खरीदी है। तीन दिन पहले अरसिया कार लेकर डीआईजी बंगला से काजीकैंप होते हुए ड्यूटी पर जा रही थी। वह जैसे ही रिलायंस पेट्रोल पंप के आगे पहुंची, वैसे ही एक बस चालक ने उनकी कार में बायीं तरफ से टक्कर मार दी, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। उन्होंने कार को पहले शोरूम पहुंचाया और बाद में थाने जाकर बस चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज करवाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मेट्रो एंकर | थार जीप चालक और साथियों के खिलाफ दर्ज हुआ केस

कार में टक्कर मारी, विरोध किया तो मारपीट कर छीना मोबाइल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

होशंगाबाद रोड स्थित एम्प्री गेट के पास एक तेज रफ्तार थार जीप चालक ने कार को टक्कर मार दी। कार चालक ने जब इसका विरोध किया तो थार चालक और उसके साथियों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और मोबाइल फोन छीनकर भाग निकले। पुलिस ने थार चालक और उसके साथियों के खिलाफ एक्सीडेंट, मारपीट और झपटमारी का मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों की पहचान के लिए मार्ग में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार सुमेर सिंह (33) अलकापुरी में रहते हैं और ऑटो मोबाइल का वर्कशाप चलाते हैं। चार मई की रात करीब साढ़े बारह

बजे वह अपने एक दोस्त की एनीवर्सरी पार्टी अटैंड करने के बाद कार से घर लौट रहे थे। वह होशंगाबाद रोड स्थित एम्प्रीगेट के सामने पहुंचे, तभी एक थार जीप के चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी कार में बायीं तरफ टक्कर मार दी।

टक्कर लगने से कार के ड्रायवर साईड का व्हील, हेड लाइट, फेंडर आदि क्षतिग्रस्त हो गया। सुमेर ने कार से उतरे और थार जीप चालक को ठीक से गाड़ी चलाने की समझाईश देने लगे। इस पर थार जीप का चालक और उसके साथी बाहर निकले और सुमेर के साथ गाली-गलौज करने लगे। उन्होंने गाली देने से मना किया तो सभी ने मारपीट करनी शुरू कर दी। इस पर सुमेर ने जेब से मोबाइल निकाला और घटना का वीडियो बनाने लगे, तभी थार चालक ने उनके हाथ से मोबाइल फोन झपट लिया और धमदी देते हुए सभी वहां से भाग निकले। बाद में सुमेर ने थाने जाकर आरोपियों के खिलाफ एक्सीडेंट, मारपीट और झपटमारी का केस दर्ज कर लिया। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से थार और आरोपियों की पहचान के प्रयास कर रही है।

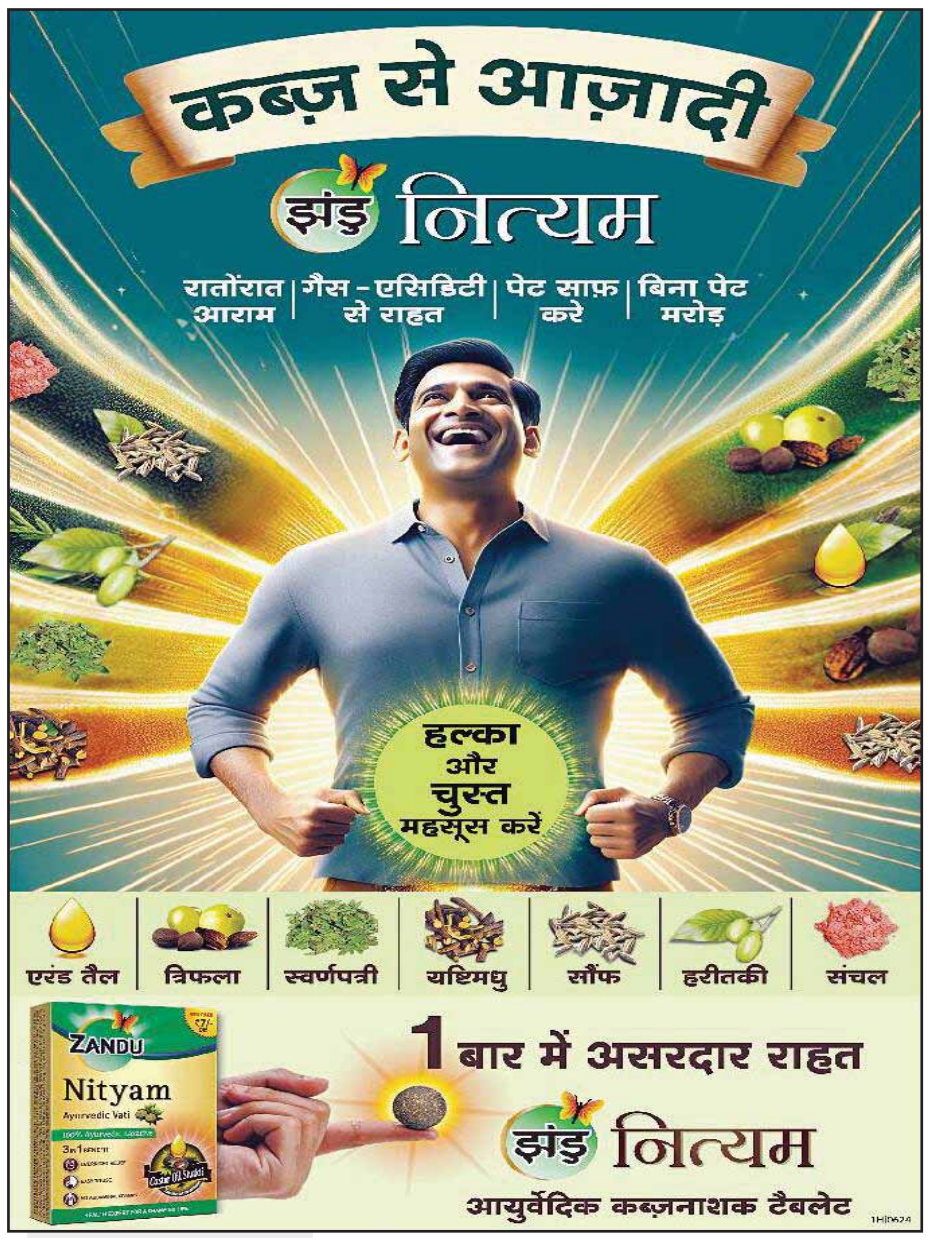

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022